For All Competitive Exams

Apni Pathshala
एक कदम उज्जवल भविष्य की ओर

LIVE

RNA®

By Ankit Avasthi Sir

THE HINDU
THE TIMES OF INDIA
Hindustan Times
The Indian EXPRESS

09:00Am 19 JULY 2024

REAL NEWS & ANALYSIS

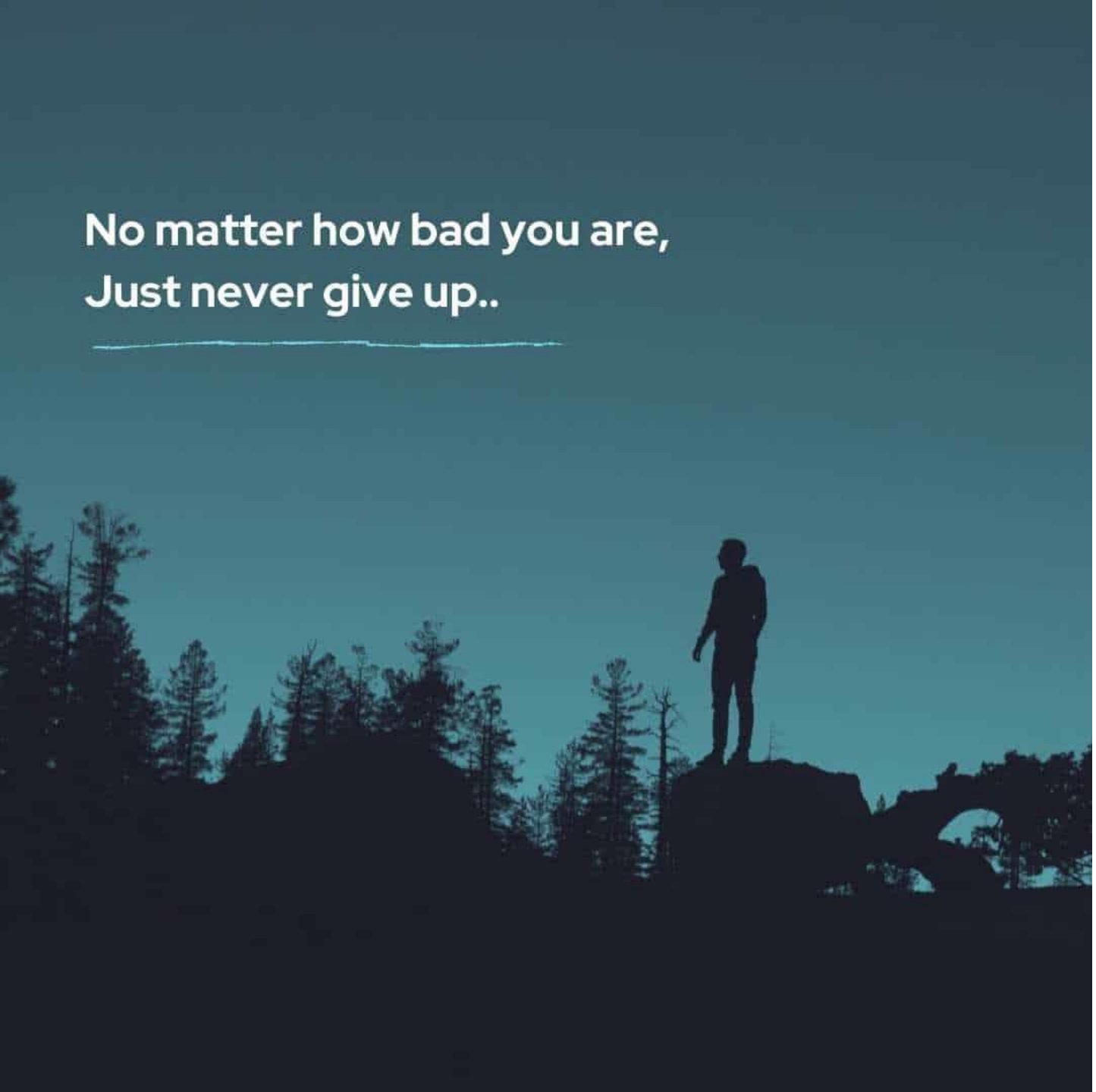
No matter how bad you are,
Just never give up..

1

CHINA
NEPAL
BHUTAN
INDIA
INDIA
DHAKA
BANGLADESH
MYANMAR
LAOS
BAY
OF
BENGAL
THAILAND
© Encyclopædia Britannica, Inc.

"Avoid Travel": Advisory Issued For Indians In Bangladesh Amid Unrest

The advisory comes in response to recent violent clashes between students and police in Dhaka, following the Bangladeshi government's decision to close all public and private universities.

India News | Asian News International | Updated: July 18, 2024 2:27 pm IST

TRENDING

Hardik, Natasa Mutually Part Ways; Say Son "Agastya Will Continue To..."

World's Largest Isolated Tribe Makes Rare Appearance In New Footage

Barack Obama Wants Joe Biden To Pull Out Of US Presidential

POLICE
© AFP

19 more die in Bangladesh clashes as protesters try to impose 'complete shutdown'

Media reports from Bangladesh say 19 more people have died in clashes between police and student protesters attempting to impose a “complete shutdown” of the country, following days of violent confrontations during demonstrations over a system of alloc...

By JULHAS ALAM Associated Press
July 18, 2024, 1:14 PM

ABC News - Breaking News, Latest News and Videos
https://abcnews.go.com › International › wireStory › stu...

19 more die in Bangladesh clashes as protesters try to impose ...

5 hours ago — Media reports from **Bangladesh** say 19 more people have died in clashes between police and student protesters attempting to impose a “complete ...

France 24
https://www.france24.com › France 24 › Asia / Pacific

State TV set ablaze, death toll rises as student protests roil ...

7 hours ago — Protesters set the headquarters of **Bangladesh's** main state broadcaster ablaze on Thursday after riot police retreated there after firing rubber ...

Voice of America
https://www.voanews.com › student-protesters-vow-co...

19 more die in Bangladesh clashes as student protesters ...

9 hours ago — Prothom Alo said at least six people died in Dhaka's Uttara area alone in the latest clashes between the protesters and the security officials ...

Al Jazeera
https://www.aljazeera.com › news › bangladesh-cuts-m...

At least 17 dead as Bangladesh student protests over jobs ...

4 hours ago — At least 17 people died during clashes at protests across **Bangladesh** on Thursday, local media reported, as authorities blocked mobile services ...

News | Protests

At least six killed in Bangladesh student anti-quota protests

Demonstrators demand end to scheme that prioritises families of veterans of 1971 independence war.

16 Jul 2024 | Updated: 17 Jul 2024 05:51 AM (GMT)

बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ जारी विरोध-प्रदर्शन अब उग्र हो गया है। प्रदर्शनकारियों ने गुरुवार शाम को बांग्लादेश के मुख्य सरकारी टीवी चैनल BTV के मुख्यालय में आग लगा दी। AFP की रिपोर्ट के मुताबिक गुरुवार शाम को सैकड़ों प्रदर्शनकारी BTV ऑफिस के कैंपस में घुस आए और 60 से ज्यादा गाड़ियों में आग लगा दी।

छात्रों और पुलिस के बीच गुरुवार को हिंसक झड़पें हुईं। AFP की रिपोर्ट के मुताबिक हिंसा में गुरुवार को कम से कम 25 लोगों की मौत हुई। इसके अलावा 1000 से अधिक लोग घायल हुए। प्रदर्शन शुरू होने के बाद से कम से कम 32 लोगों की मौत हुई है।ko

POLICE

बांग्लादेश में जारी हिंसा के बाद वहां से भारतीय लोगों का पलायन शुरू हो गया है। न्यूज एजेंसी PTI की रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने गुरुवार को कहा कि **हिंसा के बाद वहां फंसे 300 से अधिक भारतीय, नेपाली और भूटानी नागरिक मेघालय पहुंच गए हैं।** इनमें से अधिकांश छात्र हैं। असम सरकार ने कहा कि वह **पड़ोसी देश में रह रहे अपने लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विदेश मंत्रालय के संपर्क में है।**

Kabul
کابل
Islamabad
اسلام آباد
Lahore
لاہور
Pakistan
LADAKH
JAMMU AND KASHMIR
HIMACHAL PRADESH
PUNJAB
UTTARAKHAND
HARYANA
UTTAR PRADESH
RAJASTHAN
Lucknow
लखनऊ
Nepal
Kathmandu
काठमाडौं
Bhutan
ARUNACHAL PRADESH
ASSAM
NAGALAND
Guwahati
MEGHALAYA
BIHAR
MANIPUR
Bangladesh
TRIPURA
MIZORAM
JHARKHAND
WEST BENGAL
Kolkata
কলকাতা
India
MADHYA PRADESH
GUJARAT
Ahmedabad
અમદાવાદ
CHHATTISGARH
Nagpur
नागपूर
ODISHA
Surat
सुरत
MAHARASHTRA
Mumbai
मुंबई
TELANGANA
Hyderabad
హైదరాబాద్
GOA
KARNATAKA
ANDHRA PRADESH
Chennai
சென்னை
TAMIL NADU
Bay of Bengal
Andaman Sea
China
Xining
西宁市
Lanzhou
兰州市
Chengdu
成都市
Kunming
昆明市
Myanmar (Burma)
Naypyidaw
နေပြည်တော်
Yangon
ရန်ကုန်
Laos
Vientiane
ວຽງຈັນ
Hanoi
Thailand
Pattaya City
เมืองพัทยา
Cambodia

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो बांग्लादेश में हालात तेजी से बिगड़ रहे हैं. राजधानी ढाका में गुरुवार को पुलिस के साथ झड़पों में कई लोगों की मौत हो गई.

ढाका में बुधवार को पूर्ण बंद की अपील की गई थी और इस बीच सरकार ने स्टूडेंट्स को बातचीत के लिए भी निमंत्रण भेजा था लेकिन स्टूडेंट्स ने बातचीत करने से इनकार कर दिया.

विरोध-प्रदर्शनों के बीच शिक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को अगले आदेश तक के लिए देशभर में माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर के शिक्षण संस्थान को बंद कर दिया है. इनके अलावा अगले आदेश तक सभी सार्वजनिक और निजी विश्वविद्यालयों, मेडिकल कॉलेजों और अन्य संस्थानों को भी बंद करने का आदेश दिया गया है.

विरोध-प्रदर्शन और उसके बाद हुई हिंसा की वजह से कई बड़े शहर प्रभावित हुए हैं. इससे लोगों की भी परेशानी बढ़ी है. मसलन, कम से कम आठ जिलों में छात्र सड़कों पर उतर आए और सड़कों और रेल मार्गों को घेर लिया. स्थानीय रिपोर्ट के मुताबिक, ढाका, मैमनसिंह, खुलना और चटगांव जैसे इलाके में नाकेबंदी की वजह से ट्रेन सेवाओं पर बुरा असर पड़ा. गुरुवार को ढाका में मेट्रो सेवा भी बाधित रही. तेज हिंसक विरोध प्रदर्शनों की वजह से मेट्रो सेवा पर शाम 5.30 बजे तक रोक लगाई गई थी.

देश के कई हिस्से में इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है. मसलन, पूर्वी शहर हबीगंज में एक शख्स ने मीडिया से बताया कि मोबाइल फोन में डेटा पैक होने के बावजूद वे इंटरनेट का इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं. बताया जा रहा है कि 16 जुलाई से विश्वविद्यालयों में 4जी इंटरनेट बंद है. हालांकि, इस बीच 2जी स्पीड के साथ इंटरनेट चल रहा है. इस बीच वॉयस कॉल पर रोक नहीं लगाई गई है.

प्रदर्शनकारी छात्रों ने दक्षिण ढाका के रामपुरा में बांग्लादेश टीवी सेंटर में आग लगा दी. इमारत के सामने पार्किंग क्षेत्र में कई कारों और मोटरसाइकिलों को भी आग के हवाले कर दिया गया. मसलन, यहां इमारत के बेसमेंट में एक गैरेज सहित कई कमरों में आग लगा दी गई. स्थानीय लोगों ने बताया कि आग को बुझाने के लिए न तो पुलिस की कोई टीम और ना ही कोई बीजीबी की तरफ से मौके पर पहुंचा है. अंदर फंसे लोगों ने बताया कि वे अंदर फंसे हैं और बाहर में सैकड़ों की संख्या में स्टूडेंट्स ने इमारत को घेर रखा है.

ढाका में गुरुवार को भारतीय दूतावास भी बंद रहा. भारत सरकार ने भी पड़ोसी देश में हो रही हिंसा को लेकर एक एडवाइजरी जारी की है और लोगों को प्रदर्शनों और सभाओं से बचने की सलाह दी गई है.

India in Bangladesh
@ihcdhaka

Advisory on the ongoing situation in Bangladesh.

Advisory

In view of the ongoing situation in Bangladesh, the Indian community members and the Indian students residing in Bangladesh are advised to avoid local travel and minimize their movement outside their living premises. In case of any urgency or need for assistance, please reach out to the High Commission and our Assistant High Commissions at the following 24-Hour Emergency numbers:

High Commission of India, Dhaka
+880-1937400591 (also on WhatsApp)

Assistant High Commission of India, Chittagong
+880-1814654797 / +880-1814654799 (also on WhatsApp)

Assistant High Commission of India, Rajshahi
+880-1788148696 (also on WhatsApp)

Assistant High Commission of India, Sylhet
+880-1313076411 (also on WhatsApp)

Assistant High Commission of India, Khulna
+880-1812817799 (also on WhatsApp)

Randhir Jaiswal and 4 others

2:01 PM · Jul 18, 2024 · **5,411** Views

India in Bangladesh
@ihcdhaka

Contact Numbers :
@ihcdhaka
+880-1937400591 (also on WhatsApp)

@ahcichittagong
+880-1814654797 / +880-1814654799 (also on WhatsApp)

@IRajshahi
+880-1788148696 (also on WhatsApp)

@ahcisylhet
+880-1313076411 (also on WhatsApp)

@ahcikhulna
+880-1812817799 (also on WhatsApp)

2:03 PM · Jul 18, 2024 · **875** Views

India in Bangladesh
@ihcdhaka

Additional contact number for Assistant High Commission of India, Sylhet @ahcisylhet : +880-1313076417 (also on WhatsApp)

4:21 PM · Jul 18, 2024 · **437** Views

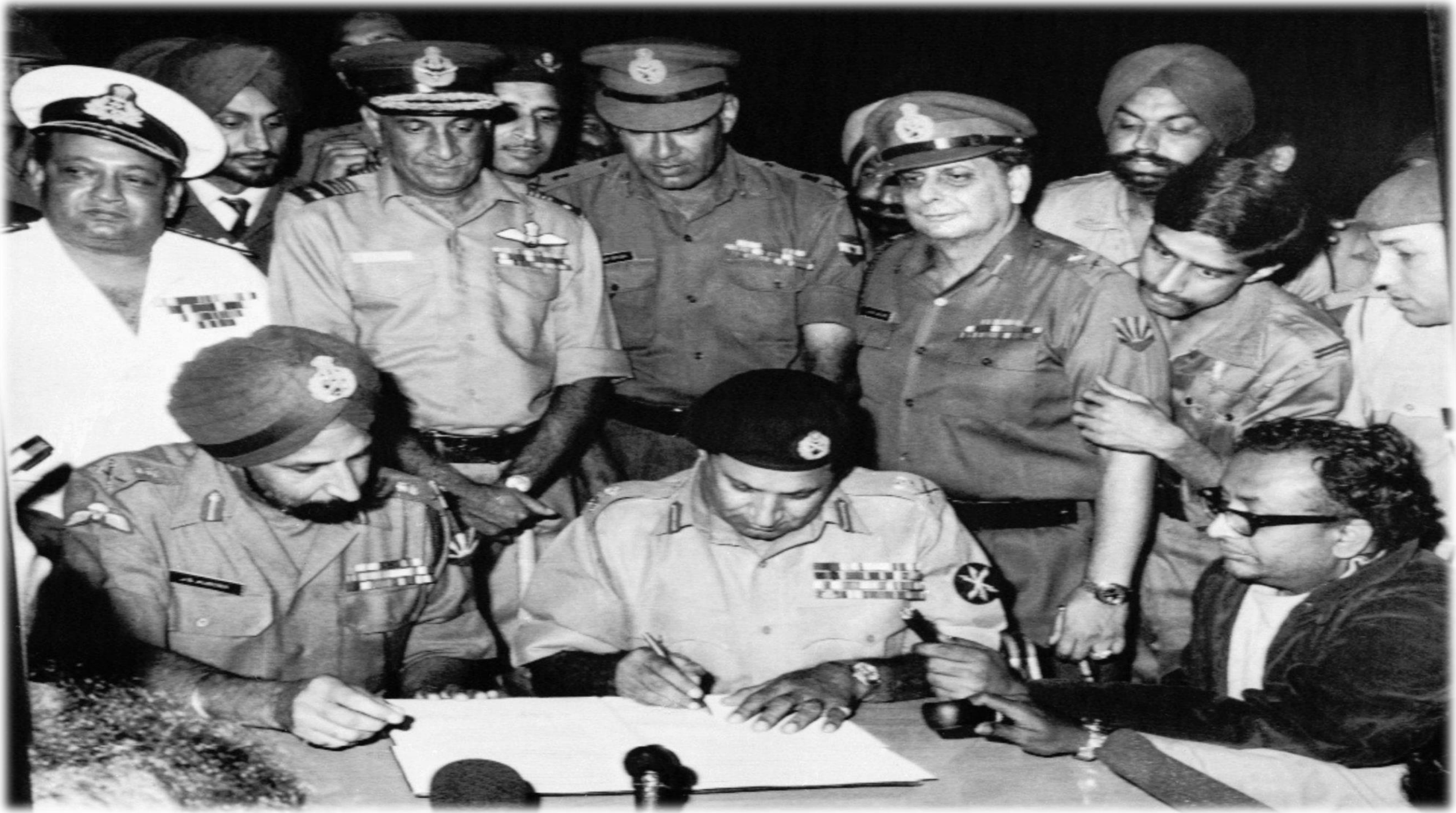

1971
BANGLADESH LIBERATION WAR

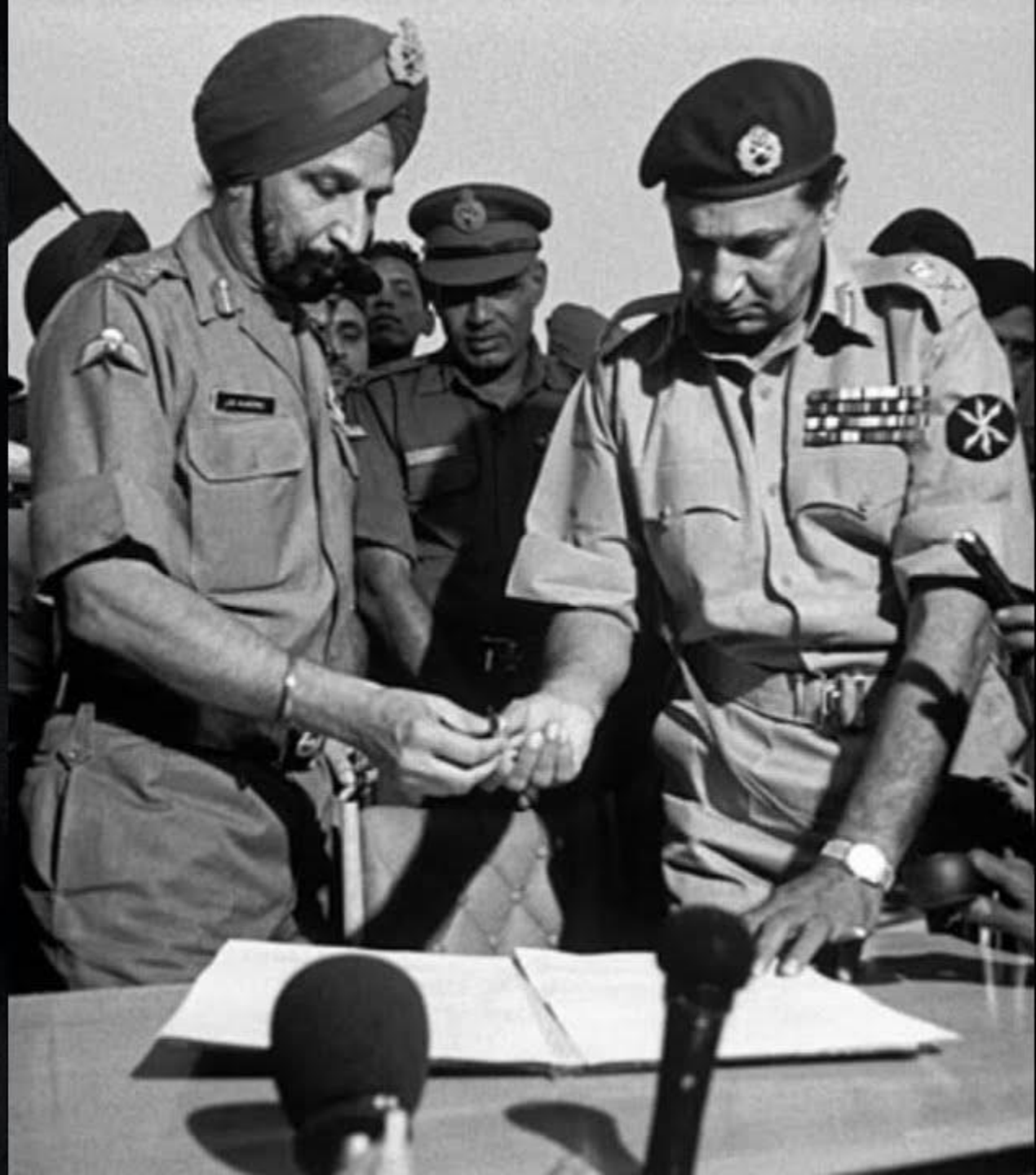

बांग्लादेश में क्यों मचा है बवाल?

ढाका और अन्य शहरों में विश्वविद्यालय के छात्र 1971 में पाकिस्तान से देश की आजादी के लिए लड़ने वाले युद्ध नायकों के रिश्तेदारों के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की कुछ नौकरियों को आरक्षित करने की प्रणाली के खिलाफ कई दिनों से रैलियां कर रहे हैं.

बांग्लादेश 1971 में आजाद हुआ और इसी साल से वहां पर 56 फीसदी कोटा सिस्टम लागू हो गया था। इसमें स्वतंत्रता सेनानियों के बच्चों को नौकरी में 30%, पिछड़े जिलों के लिए 10%, महिलाओं के लिए 10%, अल्पसंख्यकों के लिए 5% और 1% विकलांगों को दिया गया। इस हिसाब से सरकारी नौकरियों में 56% आरक्षण है।

साल 2018 में 4 महीने तक छात्रों के प्रदर्शन के बाद हसीना सरकार ने कोटा सिस्टम खत्म कर दिया था, लेकिन बीते महीने 5 जून को सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को फिर से आरक्षण लागू करने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि 2018 से पहले जैसे आरक्षण मिलता था, उसे फिर से उसी तरह लागू किया जाए।

Quota in government jobs

How much quota for whom?

freedom fighter	30%
woman	10%
district	10%
Minorities	5%
disabled	1%
total	56%

Source: Ministry of Public Administration
And agitating students

■ Quota Abolition

In 2018, the quota has been abolished in 9-13th grade jobs.

■ Quota was and is

In 14th to 20th grade jobs.

■ Post in Government Service

Grades 1-8	1,16,899
Grades 9-13	9,17,039
Grades 14-20	8,82,581 t

■ Demands of students and job aspirants

Now they want logical reform of quota in all jobs.

शेख हसीना सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ अपील भी की मगर सुप्रीम कोर्ट ने अपना पुराना फैसला बरकरार रखा। इससे छात्र नाराज हो गए। अब इसी के खिलाफ पूरे देश में प्रदर्शन हो रहा है।

जनवरी में हुए आम चुनाव के बाद पहली बार बड़े पैमाने पर प्रदर्शन इस साल जनवरी में हुए आम चुनाव के बाद ये पहली बार है जब देश में इतने बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हो रहे हैं। इन प्रदर्शनों को 1971 में बांग्लादेश को आजादी दिलाने वाले लोगों के बच्चे भी शामिल हैं।

लोगों का कहना है कि हसीना सरकार ने उन लोगों को आरक्षण दिया है, जिनकी आमदनी ज्यादा है।

ये लोग वे लोग है जिन्हें हसीना का वोटर्स माना जाता है। सरकार का कहना है कि विकलांग लोगों और अल्पसंख्यक समुदाय लोगों को नौकरी में 30% आरक्षण दिया गया था।

स्टूडेंट्स की 5 मांगें

1
आरक्षण 56% से घटाकर 10% किया जाए

2
योग्य उम्मीदवार नहीं मिले तो मेरिट लिस्ट से हो भर्ती

3
सभी उम्मीदवारों के लिए एक समान परीक्षा हो

4
सभी उम्मीदवारों के लिए उम्र एक समान हो

5
एक बार से ज्यादा आरक्षण का इस्तेमाल नहीं हो

Bangladesh suspends job quotas after student protests

By AFP • Last Updated: Jul 10, 2024, 02:29:00 PM IST

FOLLOW US SHARE FONT SIZE SAVE PRINT COMMENT

Synopsis
Bangladesh's top court temporarily suspended government job quotas after nationwide student protests against the discriminatory system that reserves over half of well-paid civil service posts for specific groups. Students demand a merit-based system and refuse to return to classrooms until the quota system is abolished. The Supreme Court suspended the reinstated quota system order for a month, urging students to go back to class.

Students and job seekers shouts slogans as they protest to ban quotas for government job at Shahbagh Square in Dhaka, Bangladesh, July 3, 2024.

Dhaka: Bangladesh's top court on Wednesday temporarily suspended quotas for coveted government jobs after thousands of students staged nationwide protests against what they call a discriminatory system, lawyers said.

The quota system reserves more than half of well-paid and massively over-subscribed civil service posts, totalling hundreds of thousands of government jobs, for specific groups including children of liberation heroes.

Students launched protests earlier this month, demanding a merit-based system, with demonstrations on Wednesday blocking highways and railway lines.

Videos

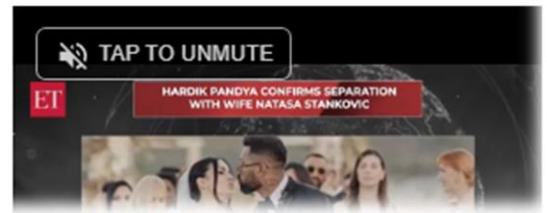

"Our only demand is that the government abolish the quota system," said student protest leader Rasel Ahmed, from Chittagong University. "We will not return to classrooms until our demand is met," Ahmed told AFP.

The Supreme Court on Wednesday suspended that order for a month, said lawyer Shah Monjurul Hoque, who represents two students seeking to end the quota system. "The Supreme Court... passed a status quo order (suspension order) on the High Court verdict for four weeks," Hoque told AFP, adding the chief justice, Obaidul Hassan, had requested that students go back to class.

Students said only those quotas supporting ethnic minorities and disabled people -- six percent of jobs -- should remain.

Critics say the system benefits children of pro-government groups, who back Prime Minister Sheikh Hasina.

समाचार एजेंसी AP के मुताबिक हर साल लगभग 4 लाख ग्रेजुएशन किए हुए छात्र लगभग 3,000 नौकरियों के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं के मैदान में होते हैं।

कई लोगों का मानना था कि यह PM शेख हसीना की पार्टी (अवामी लीग) जो बांग्लादेशी मुक्ति संग्राम का नेतृत्व करती है, सिर्फ उन्हें फायदा पहुंचाता है। इससे डिज़र्व करने वाले उम्मीदवार भी बिना नौकरी के रह जाते थे और कई सीटें आरक्षित होने की वजह से खाली रह जाती थी।

प्रदर्शनकारियों ने इस बार सभी ग्रेडों से भेदभावपूर्ण कोटा हटाने, संविधान में निर्धारित पिछड़ी आबादी के लिए कुल आरक्षण को 5-6 प्रतिशत तक सीमित करने और इस बदलाव को तय करने के लिए संसद में एक विधेयक पारित करने की मांग की है।

Ankit Kumar Avasthi
@kaankit

बांग्लादेश में इन दिनों कोटा प्रणाली के विरोध में हिंसक प्रदर्शन हो रहे हैं।

ये विरोध प्रदर्शन प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार के लिए बड़ी चुनौती है।

प्रदर्शनकारी कोटा प्रणाली को खत्म करने की मांग कर रहे हैं, जो बांग्लादेश के 1971 के स्वतंत्रता संग्राम में लड़ने वाले परिवार के सदस्यों के लिए 30% तक सरकारी नौकरियों को आरक्षित करती है।

प्रदर्शनकारियों का तर्क है कि यह प्रणाली भेदभावपूर्ण है और प्रधानमंत्री शेख हसीना के समर्थकों को लाभ पहुँचाती है, जिनकी अवामी लीग पार्टी ने स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व किया था। इसके बजाय, वे चाहते हैं कि योग्यता आधारित आरक्षण प्रणाली लागू की जाए।

ढाका में भारत के उच्चायोग ने इन हिंसक झड़पों के बीच बांग्लादेश में रहने वाले भारतीयों के लिए सलाह जारी की है। "बांग्लादेश में रहने वाले भारतीय समुदाय के सदस्यों और भारतीय छात्रों को यात्रा से बचने और अपने रहने के परिसर से बाहर कम से कम जाने की सलाह दी जाती है।"

Translate post

5:28 PM · Jul 18, 2024 · **21K** Views

Awami League
@albd1971

10:21 PM · Jul 17, 2024

Prime Minister Sheikh Hasina has called for patience until a final verdict on government job quotas is delivered as deadly violence in protest against the system convulses the country.

In a televised address to the nation on Wednesday evening, she announced a judicial investigation into the incidents of violence during the protests.

“I believe they [victims] will get justice, and won’t be frustrated,” she said.

Hasina said the incidents surrounding the quota protest were “painful”. The government adopted a tolerant approach from the outset of the protest, while police assisted the protesters in holding demonstrations.

“But it is a matter of regret that some quarters took advantage of the movement to fulfil their unacceptable ambitions through terrorist activities”, the prime minister said.

“The events that have happened as a result of this are deeply distressing. Several priceless lives have been lost. No one understands the agony of losing loved ones more than I do,” she said, referring to the Aug 15 massacre of #Bangabandhu #SheikhMujiburRahman’s family.

She offered prayers for the victims of the #violence and expressed her condolences to their families.

“I condemn all the killings. The incidents that have happened are never desired,” Sheikh Hasina said.

The prime minister criticised the violent attacks on pro-government students.

“Terrorists threw students from a multi-storey building with the intention to kill. Many students’ tendons were cut off. They were hit with sticks and sharp weapons. One person has died and many others are fighting for their lives,” she said.

University buildings in Dhaka, Rangpur, and Rajshahi were vandalised and torched, while the protesters also attacked innocent passers-by, shopkeepers, and blocked ambulances carrying patients.

“I believe the quota reform protesters do not have links to these terrorists who have created anarchy using the movement.”

The prime minister said those involved in such incidents will be identified and brought to justice.

She also promised jobs and other sorts of help for the families of those killed in the violence.

"I declare unequivocally that action will be taken to ensure that those who have committed murder, looting, and terrorist activities - whoever they are - will be punished.

"I also declare that a judicial investigation will be conducted in the interest of fairness and justice in all the unintended incidents, including the murders," the prime minister announced.

She also said an investigation will be conducted to determine who instigated the conflict and the reasons behind pushing the country into a state of anarchy.

"I am deeply worried about the safety of the innocent students who are protesting. There is a risk that these terrorists might retaliate at any moment, creating a volatile atmosphere.

"Therefore, I appeal to the parents and teachers of these students to remain vigilant about their children's safety. At the same time, I call for heightened security measures in all educational institutions to ensure the safety of all students."

PM हसीना बोलीं- छात्रों को न्याय मिलेगा

बुधवार को बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने राष्ट्र के नाम संबोधन दिया। उन्होंने घोषणा की है कि रिजर्वेशन के खिलाफ आंदोलन में हुई मौतों की जांच के लिए एक न्यायिक जांच समिति गठित की जाएगी। इस दौरान शेख हसीना ने प्रदर्शनकारी छात्रों से देश की न्यायिक प्रणाली में विश्वास बनाए रखने की अपील की। उन्होंने छात्रों को यकीन दिलाया कि उन्हें न्याय मिलेगा।

शेख हसीना ने आरक्षण विरोध प्रदर्शन में हुए जानमाल के नुकसान पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने छात्रों से अपील किया कि वे उपद्रवियों को स्थिति का फायदा उठाने का मौका न दें। प्रधानमंत्री ने कहा कि जिन लोगों ने हत्याएं की हैं, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया है, उन्हें कटघरे में लाया जाएगा, चाहे वे किसी भी पार्टी से जुड़े हों।

Awami League
@albd1971

HPM #SheikhHasina assures the students who are demanding #QoutaReform that they will not be disappointed by the Supreme court's decision. During her address to the nation, she declared to conduct judicial inquiries and bring perpetrators to justice.
👉albd.org/articles/news/...

8:52 PM · Jul 17, 2024 · **8,390** Views

कानून मंत्री अनीसुल हक ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सरकार ने प्रदर्शनकारी छात्रों के साथ बातचीत के लिए बैठक करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, "जब भी वे सहमत होंगे, हम बैठक करेंगे।" कानून मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री शेख हसीना द्वारा बुधवार को किए गए वादे के अनुसार हिंसा की जांच के लिए उच्च न्यायालय के न्यायाधीश खोंडकर दिलिरुज्जमां के नेतृत्व में एक न्यायिक जांच समिति का गठन किया गया।

2024

GA FOUNDATION

RECORDED BATCH

Apni Pathshala
एक कदम उज्जवल भविष्य की ओर

Subject

- HISTORY ,POLITY
- GEOGRAPHY
- ECONOMICS

Price

1499/-

Validity 1 Year

By Ankit Avasthi Sir

GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

Ankit Inspires India

₹ Only 1999

6 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

Title: ______ Date: __/__/____

→ सिन्धु नदी का उद्गम कैलाश पर्वतीय क्षेत्र में बोखर चू हिमनद से होता है।

→ तिब्बत में इस नदी को सिंगी खंबान कहते है।

→ यह दमचोक नामक स्थान से भारत में प्रवेश करती है।

→ यह नदी भारत में लद्दाख तथा जास्कर श्रेणी के बीच बहती है।

→ पाकिस्तान में यह अटक (Attock) नामक स्थानों पर मैदानों में प्रवेश करती है।

→ पाकिस्तान में कराँची के पास डेल्टा बनाते हुए यह अरब सागर में गिरती है।

→ सिंधु नदी की दायें हाथ की प्रमुख सहायक नदियाँ :- श्योक, नुब्रा, हुनजा, गिलगिट, स्वात, काबुल तथा गोमल

→ इसकी प्रमुख बायें हाथ की सहायक नदियाँ झेलम, चिनाब, रावी, व्यास, सतलज, ट्रांस तथा जास्कर

पंचनद

→ सिंधु से पंचनद पाक में मिठानकोट नामक स्थान पर मिलती है।

→ 'लेह' सिंधु नदी के किनारे स्थित है।

पंचनद

i) झेलम :- इस नदी का उद्गम जम्मू कश्मीर में

Title: ______ Date: __/__/____

बेरिनाग झील से होता है।

* यह नदी वूलर झील का निर्माण करती है जो भारत की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील है।

→ इस नदी के किनारे श्रीनगर स्थित है।

→ किशनगंगा इसकी दायें हाथ की प्रमुख सहायक नदी है।

→ इस नदी पर तुलबुल परियोजना प्रस्तावित है। यह एक नौवहन परियोजना है।

→ यह नदी भारत तथा पाकिस्तान के बीच अन्तर्राष्ट्रीय सीमा का निर्माण करती है।

ii) चिनाब :- चिनाब नदी का उद्गम हिमाचल प्रदेश में बारालाचा दर्रे के पास चन्द्र तथा भागा नदियों के मिलने (confluence) से होता है।

→ J & K में इस नदी पर जल विद्युत उत्पादन परियोजनाएँ स्थित है।

उदाहरण :- दुलहस्ती, सलाल, बगलिहार

→ यह सिंधु नदी की सबसे बडी सहायक नदी है।

iii) रावी :- रावी नदी का उद्गम रोहतांग दर्रे के पास से हिमाचल प्रदेश में होता है।

→ हिमाचल प्रदेश में इस नदी पर चमेरा बाँध स्थित है।

→ पंजाब में इस नदी पर थीन परियोजना स्थित है।

Title: _____ Date: __/__/____

किया। इस सिद्धान्त के अनुसार न तो ब्रह्माण्ड का कोई आदि है न ही कोई अंत है। यह समयानुसार अपरिवर्तित रहता है। यद्यपि इस सिद्धान्त में प्रसरणशीलता समाहित है परन्तु फिर भी ब्रह्माण्ड के घनत्व को स्थिर रखने के लिए इसमें पदार्थ स्वतः रूप से सृजित होता रहता है।

3). दोलन सिद्धान्त (Pulsating Universe theory) :-
यह सिद्धान्त डॉ. एलन सैंडेज ने प्रतिपादित किया था। इनके अनुसार आज से 130 करोड़ वर्ष पहले एक तीव्र विस्फोट हुआ था और तभी से ब्रह्माण्ड फैलता जा रहा है। 230 करोड़ वर्ष बाद गुरुत्वाकर्षण बल के कारण इनका विस्तार रुक जाएगा। इसके बाद ब्रह्माण्ड सकुंचित होने लगेगा और अत्यंत संपीडित और अनंत रूप से बिंदुमय आकार धारण कर लेगा। उसके बाद एक बार पुनः विस्फोट होगा और यही क्रम चलता रहेगा।

5) स्फीति का सिद्धान्त (Inflationary theory) :
यह सिद्धान्त अमेरिकी वैज्ञानिक अलेन गुथ ने दिया था। इस सिद्धान्त के अनुसार, विशालकाय अग्निपिण्ड के विस्फोट के पश्चात अति अल्पकाल में ब्रह्माण्ड का असाधारण त्वरित गति से फैलाव हुआ और ब्रह्माण्ड के आकार में कई गुना वृद्धि हो गई।

Title: _____ Date: __/__/____

तारों का निर्माण : तारों का निर्माण मुख्य रूप से हाइड्रोजन और हीलियम गैस से हुआ है। आकाशगंगाओं में उपस्थित हाइड्रोजन और हीलियम गैसों के घने बादलों के रूप में एकत्रित होने के साथ इसके जीवन चक्र का आरंभ होता है।

सौरमण्डल
सौरमण्डल का निर्माण 4.6 बिलियन वर्ष पूर्व हुआ था। सूर्य के चारों ओर भ्रमण करने वाले 8 ग्रह, 205 उपग्रह, धूमकेतु, उल्काएँ एवं क्षुद्रग्रह संयुक्त रूप से सौरमण्डल कहलाते हैं।

सूर्य (SUN) :- सूर्य एक गैसीय गोला है, जिसमें 71% हाइड्रोजन, 26.5% हीलियम व 2.5% अन्य तत्व विद्यमान हैं। सूर्य का केन्द्रीय भाग क्रोड (Core) कहलाता है।
→ सूर्य की ऊर्जा का स्रोत उसके केन्द्र में होने वाली नाभिकीय संलयन की क्रिया है।
→ सूर्य के प्रकाश को पृथ्वी तक पहुचने में 8 मिनट 16 सैकण्ड का समय लगता है।
→ सौर ज्वाला को उत्तरी ध्रुव पर औरोरा बोरियालिस कहते हैं। और दक्षिणी ध्रुव पर औरोरा आस्ट्रेलिस कहते हैं।

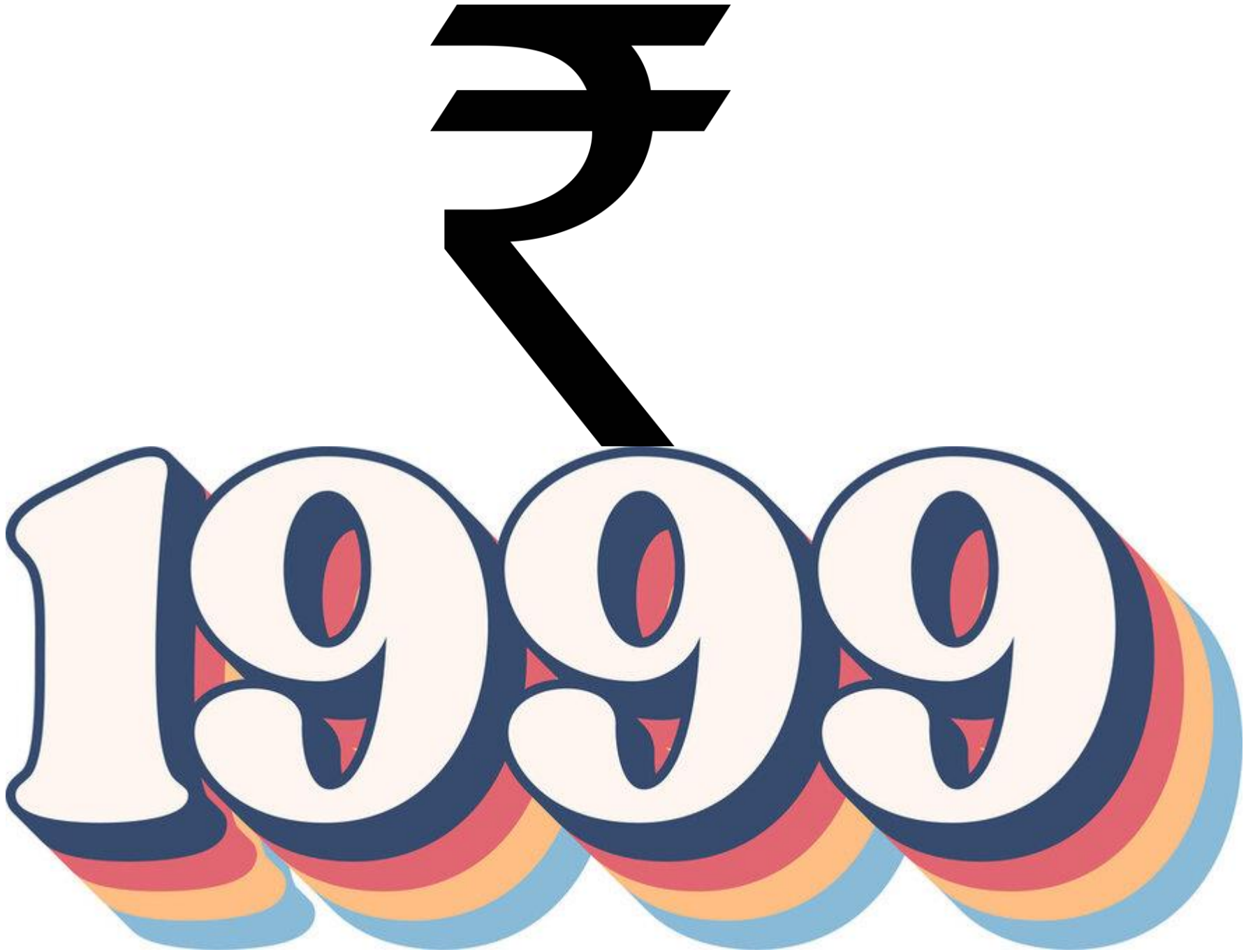
₹
1999

CALL CENTRE

7878158882

HOW MAY I HELP YOU

AnkitInspiresIndia

Download "Apni Pathshsla" app now!

Follow us:

2

PARIS
2024

पेरिस ओलंपिक खेल 2024

PARiS 2024

ओलंपिक खेल क्या है?

ओलंपिक खेलों का इतिहास बहुत पुराना है। प्राचीन काल में यूनान की राजधानी **एथेंस** में **1896** में **ओलंपिक पर्वत** पर खेले जाने के कारण इस खेल का नाम ओलंपिक पड़ा। ओलंपिक खेल पूरी दुनिया में मुख्यत: चार प्रकार के होते हैं। जिसमें **ग्रीष्मकालीन ओलंपिक, शीतकालीन ओलंपिक, पैरालंपिक और यूथ ओलंपिक खेल** शामिल हैं। इसे खेलों का महाकुंभ भी कहते हैं।

तथ्य

- ओलंपिक खेल में **तीन प्रकार** के पदक दिए जाते हैं, जिसमें **स्वर्ण, रजत और कांस्य** पदक शामिल होते हैं।
- ओलंपिक के **झंडे में 5 रिंग** होते हैं, जो **नीले, डार्क पीले, काले, हरे और लाल** रंग में होते हैं।
- ओलंपिक ध्वज में बने पांच रिंग **पांच महाद्वीप अफ्रीका, अमेरिका, एशिया, यूरोप और ओशिनिया** के आपस में जुड़े रहने का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- **इसे 1913 में पियरे डी कोबर्टिन** ने डिजाइन किया था तथा इनको ओलंपिक खेलों का **जन्मदाता** भी कहा जाता है।
- ओलंपिक खेल, **दुनिया की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता** है। जिसमें **विश्वभर के सर्वश्रेष्ठ एथलीट** हिस्सा लेते हैं और अपने देश का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- ओलंपिक खेल हर **चार साल** पर आयोजित किया जाता है। इस समयावधि को **ओलंपियाड** कहते हैं।
- ओलंपिक खेलों की देखरेख **IOC** यानी **अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति** करती है।
- ओलंपिक खेल **पहली बार साल** 1896 में **ग्रीस की राजधानी एथेंस** में आयोजित किया गया था।
- लेकिन **प्रथम विश्वयुद्ध और द्वितीय विश्वयुद्ध** के कारण ओलंपिक खेल **1916, 1940 और 1944** में आयोजित नहीं हो सका था।
- **ओलंपिक दिवस** को हर साल **23 जून** को मनाया जाता है।

पेरिस ओलंपिक 2024 एक नज़र में -

- **आधिकारिक नाम:** XXXIII ओलंपियाड के खेल
- **आयोजन स्थल:** पेरिस, फ्रांस
- **शुभंकर :** ओलंपिक फ्रीज़
- **तिथियाँ:** 26 जुलाई से 11 अगस्त 2024
- **19 दिनों** की प्रतियोगिता (**हैंडबॉल, फुटबॉल और रग्बी 24 जुलाई से शुरू होगी**)
- **खेल:** 329 स्पर्धाओं में 32 खेल (**10,500 एथलीट**)
- **नए खेल:** ब्रेकडांसिंग, स्पोर्ट क्लाइंबिंग, स्केटबोर्डिंग और सर्फिंग
- **प्रमुख स्थल:** स्टेड डी फ्रांस (उद्घाटन और समापन समारोह, एथलेटिक्स), पेरिस एक्सपो पोर्ट डी वर्साय (कुश्ती, जूडो), ग्रैंड पैले (तलवारबाजी, ताइक्वांडो)
- **नोट : 2028 और 2032 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक** का आयोजन क्रमश: **लॉस एंजिल्स, USA** तथा **ब्रिस्बेन, ऑस्ट्रेलिया** में किया जाएगा।

ओलंपिक खेल के प्रकार

- **ग्रीष्मकालीन ओलंपिक** - यह **गर्मियों के समय** में आयोजित किया जाता है। ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेल पहली बार साल **1896 में ग्रीस की राजधानी एथेंस** में खेला गया था
- **शीतकालीन ओलंपिक** - यह खेल **सर्दियों के समय** में खेला जाता है और शीतकालीन ओलंपिक खेल पहली बार साल 1924 **में फ्रांस की राजधानी पेरिस** में खेला गया था। शीतकालीन ओलंपिक खेल साल **1992 तक ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेल के साथ** खेला जाता था। शीतकालीन खेल के ज्यादातर **इवेंट बर्फ के हिस्सों** पर आयोजित होते हैं।
- **पैरालंपिक** - पैरालंपिक खेलों में **दिव्यांग एथलीट** अपने-अपने देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। पैरालंपिक खेल **पहली बार साल 1960 में इटली के रोम** में आयोजित किया गया था।
- **यूथ ओलंपिक** - यूथ ओलंपिक (YOG) अन्य ओलंपिक खेलों की तरह हर चार साल पर इसे आयोजित किया जाता है। इस खेल में **18 वर्ष की कम उम्र** के लड़के और लड़कियां हिस्सा लेते हैं। ये पहली बार **साल 2010 में सिंगापुर** में आयोजित किया गया था।

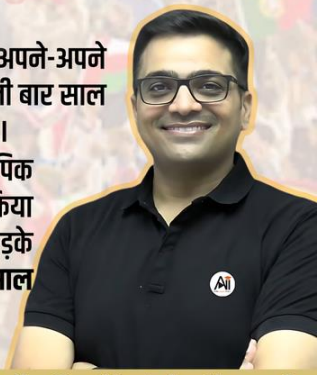

Download *Apni Pathshala* Application

Visit Our Website

+91-7878158882

www.apnipathshala.com

Subscribe Our Youtube Channels

Subscribe

paris olympics 2024

All News Images Videos Shopping Maps Books More Tools

Olympic Games Paris 2024 / Date

Fri, 26 Jul, 2024 – Sun, 11 Aug, 2024

PARIS
INDIA
INDIA
CHOPRA

Top stories

The Indian Express

[Will Paris be able to fix Seine's 'poop' problem in time for Olympics?](#)

10 hours ago

CBC

The Seine is typically filthy. What to know before Olympic swimmers dive in

23 hours ago

WIRED

Paris Mayor Defies Poop Threats to Swim in Seine, and Prove a Point

1 day ago

447K views 7 days ago

FRANCE ELECTION 2024 : Emmanuel Macron के हार के बाद भड़की हिं*..जानिए कारण..by Ankit Avasthi Sir

Apni Pathshala
2M subscribers

Subscribed

18K

Share

Download

Jun 26, 2024

Six lakh people expected to attend:

Six lakh people are expected to attend the opening ceremony in the heart of Paris, of which more than two lakh tickets have been distributed free of cost. The official broadcaster expects that around 1.5 billion people will watch the opening ceremony alone on TV worldwide.

In 2016, the viewership of the entire Rio Olympics was 3.2 billion, which is a record in itself.

PARIS 2024

90 lakh tickets have been sold so far:

According to a report, 10 lakh tickets have been made available for the Paris Games, out of which 90 lakh tickets have been sold.

It is known that due to COVID-19, tickets were not made available for Tokyo 2020, so for the first time after the Rio Olympics, tickets have become available for these games, due to which tremendous enthusiasm is being seen among the fans.

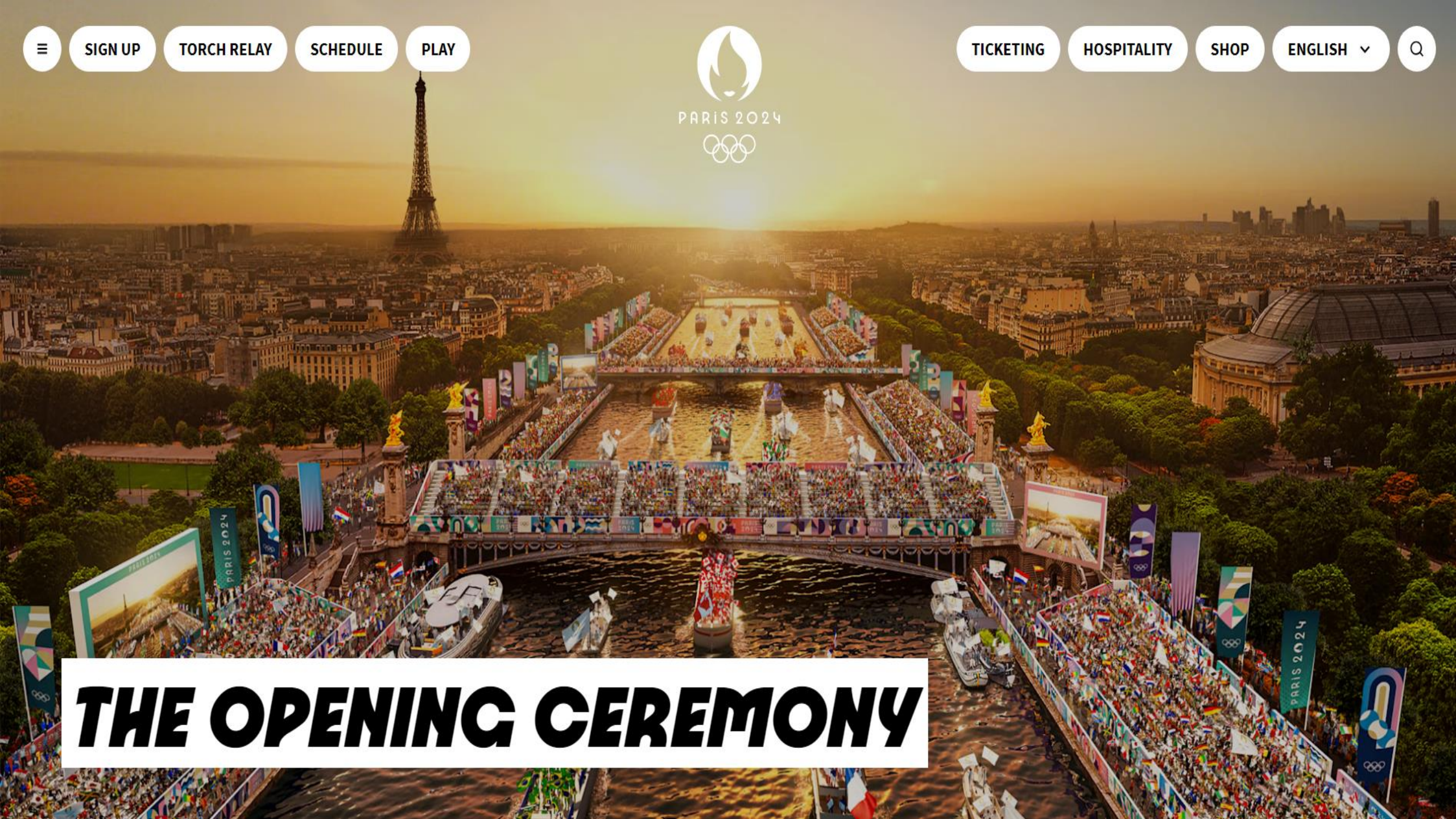
SIGN UP
TORCH RELAY
SCHEDULE
PLAY
PARIS 2024
TICKETING
HOSPITALITY
SHOP
ENGLISH
THE OPENING CEREMONY

सीन नदी का इतिहास पेरिस शहर से भी पुराना है. कहा जाता है कि सीन के बिना, कोई पेरिस नहीं होता. दो हजार साल पहले एक सेल्टिक जनजाति ने यहां मछली पकड़ने वाला गांव स्थापित किया था. सीन एक मूल्यवान व्यापारिक मार्ग था, जिससे 12वीं शताब्दी तक, पेरिस पश्चिमी दुनिया के सबसे बड़े शहर के रूप में विकसित हुआ. शहर की मशहूर इमारतें और स्मारक जैसे लूव्र संग्रहालय और एफिल टॉवर इस नदी के ठीक किनारे पर बने हुए हैं.

A ceremony on the river

Taking on a new guise, the parade of athletes will be held on the Seine with boats for each national delegation. These boats will be equipped with cameras to allow television and online viewers to see the athletes up close. Winding their way from east to west, the 10,500 athletes will cross through the centre of Paris, the overall playing field for the Games on which these competitors will display their sporting prowess over the next 16 days. The parade will come to the end of its 6-kilometre route in front of the Trocadéro, where the remaining elements of Olympic protocol and final shows will take place.

क्या ओलंपिक स्विमिंग कॉम्पिटिशन के लिए पूरी तरह तैयार है सीन नदी?

पेरिस ओलंपिक खेलों के आयोजकों ने ऐतिहासिक सीन नदी पर ट्राइथलॉन और मैराथन तैराकी के मुकाबलों की महत्वाकांक्षी योजना बना रखी है. लेकिन दिक्कत यह है कि मुकाबले में महज एक महीना रह गया है और इस नदी का पानी अब भी स्विमिंग कॉम्पिटिशन के लिए तैयार नहीं है. दरअसल, सीन नदी एक शतक से गंदगी की समस्या से जूझ रही है. 1923 में खराब वाटर क्वॉलिटी की वजह से यहां पब्लिक स्विमिंग पर रोक लगाई गई थी. उसके बाद से यह पहला मौका है जब इस ऐतिहासिक नदी पर मल्टी नेशनल वाटर स्पोर्ट्स इवेंट्स होंगे.

According to Jun 26, 2024

खराब पानी की वजह से सीन नदी में 100 सालों से पब्लिक स्विमिंग पर रोक लगी हुई है.

12

- पेरिस का स्थानीय प्रशासन नदी की सफाई में पानी की तरह पैसा खर्च कर रहा है. अब तक (Jun 26, 2024) करीब 11.68 हजार करोड़ खर्च किए जा चुके हैं. सीन नदी में सीवेज को बहने से रोकने के लिए, विशेष पंपो और तथाकथित कैच बेसिनों पर पैसा खर्च किया जा रहा है.

- बारिश के बाद कई दिन तक नदी का पानी तैरने लायक नहीं होता है. सीवर के ओवरफ्लो होने से जानवरों के मल-मूत्र के बह आने का खतरा बढ़ जाता है. उसमें कुत्ते और बिल्ली का मल-मूत्र भी शामिल है. पेरिस में भारी बारिश आमतौर पर साल में चार या पांच बार होती है. आयोजकों को उम्मीद है कि जुलाई और अगस्त के दौरान गर्मियों के मौसम में ये समस्या पैदा नहीं होगी.

- France 24 की रिपोर्ट के मुताबिक, नदी के पानी के परीक्षण परिणामों में पता चला कि ई. कोली – मल पदार्थ का संकेत देने वाला बैक्टीरिया – का स्तर 10-16 जून के सप्ताह के दौरान ओलंपिक तैराकी के मानदंडों के मुकाबले दोगुना ज्यादा है.

पेरिस के लोग किस बात पर गुस्सा?

पेरिस के लोग इस बात पर गुस्सा हैं कि सफाई अभियान में इतना पैसा खर्च करने के बाद भी नदी का पानी उतना ही खराब है जितना वो पहले था. जबकि नदी की सफाई के कारण बाकी सामाजिक मुद्दों को नजरंदाज कर दिया गया. ओलंपिक खेलों के कारण पेरिसवासियों को ट्रांसपोर्ट की लागत में बढ़ोतरी का सामना करना पड़ा है. खेलों से पहले प्रशासन ने बेघर शिविरों को साफ कर दिया है, जिससे लोग सरकार पर फ्रांस की 'गरीबी को छिपाने' की कोशिश करने का आरोप लगा रहे हैं.

प्रशासन की बदहाली और नदी की सफाई की कीमत पर गुस्साए लोगों ने #JeChieDansLaSeineLe23Juin के तहत अभियान चलाया है, जिसका मतलब है 'मैं 23 जून को सीन में गंदगी करूंगा'. यहां गंदगी से मतलब लोगों द्वारा शौच किया जाना है.

दरअसल, 23 जून को पेरिस की मेयर ऐनी हिडाल्गो सीन नदी में डुबकी लगाने वाली थी. लेकिन नदी की गंदगी के चलते इसे फिलहाल टाल दिया गया है. उन्होंने शपथ ली थी कि वो खेलों से पहले इस नदी में तैरकर यह संदेश देगी कि सीन का पानी ओलंपिक एथलीटों के लिए साफ और सुरक्षित है. लेकिन अब उन्होंने जुलाई में फ्रांसीसी चुनावों के बाद तक डुबकी लगाने की बात कही है. राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने भी खेलों से पहले सीन में तैरने का वादा किया है, लेकिन तारीख नहीं बताई है.

WORLD

Parisians threaten to poop in Seine River to protest sewage contamination ahead of Paris 2024 Summer Olympics

By Li Cohen
June 22, 2024 / 7:00 AM EDT / CBS News

Arletesinfos
@arletesinfos

🇫🇷 FLASH- Du caca dans la Seine ?
Le collectif #JeChieDansLaSeineLe23Juin mobilise de nombreux citoyens qui souhaitent déféquer dans la Seine pendant les baignades d'Anne Hidalgo et d'Emmanuel Macron
"Ils nous ont plongés dans la merde, à leur tour de plonger dans notre merde"

Paris Olympic: मेयर ऐनी ने ओलंपिक से पहले सफाई दिखाने के लिए सीन नदी में लगाई डुबकी, नौ दिन बाद शुरू होगा पेरिस ओलंपिक

Olympic Games Paris 2024 नौ दिन बाद शुरू होने वाले 2024 ओलंपिक के दौरान तैराकी स्पर्धाओं की मेजबानी के मद्देनजर सीन नदी की स्वच्छता दिखाने के लिए पेरिस की मेयर ऐनी हिडाल्गो बुधवार को इसमें डुबकी लगाई। मेयर ऐनी हिडाल्गो ने महीनों पहले किए गए अपने वादे को पूरा करते हुए इस कृत्य को अंजाम दिया। मेयर ऐनी के इस कदम की सभी प्रशंसा कर रहे हैं।

BY **AGENCY** EDITED BY: **BABLI KUMARI** WED, 17 JUL 2024 10:53 PM (IST)

जागरण

The Olympic Games 2024 are to be held in the French capital Paris from 26 July to 11 August.

The Paris Olympics has a 'poop' problem. Despite the organisers' all-out efforts, the Seine river remains too dirty — and dangerous — to swim in. Apart from the boat parade during the opening ceremony, the Seine is supposed to host the marathon swimming, and triathlon (the swimming leg) events.

To reassure competitors and the public about the Seine being safe, Paris Mayor Anne Hidalgo swam in the river on Wednesday (July 17). Last Saturday, Sports Minister Oudéa-Castéra and Paralympic flag bearer Alexis Hanquinquant too took a dip in the Seine.

EURO
20
50

पेरिस की मेयर ऐनी हिडालगो ने लोगों को नदी की स्वच्छता के बारे में आश्वस्त करने के लिए सीन नदी में तैराकी की

What happens to the outdoor swimming events if they can't use the Seine?

If the Seine isn't clean enough for the athletes, the triathlon will drop the swimming portion and run as a duathlon. The marathon swimming competition would be moved to the Vaires-sur-Marne Nautical Stadium, which is just outside Paris and is already going to be hosting the rowing and canoe-kayaking events.

PARIS 2024

If it is not possible to do so due to security or any other reason, then the organizers have also kept the option of holding the opening ceremony at the Stade de France

Paris Olympics: ओलंपिक के लिए 117 खिलाड़ियों का दल भेजेगा भारत, ग्राफिक्स में देखें किस खेल से किसे मिला मौका

स्पोर्ट्स डेस्क, अमर उजाला, नई दिल्ली Published by: Mayank Tripathi Updated Thu, 18 Jul 2024 02:29 PM IST

सार

26011 Followers खेल ☆

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने बुधवार को ओलंपिक के लिए भारतीय दल में सात रिजर्व सहित 117 एथलीटों के शामिल होने की पुष्टि की। भारत को इन एथलीट्स से शानदार प्रदर्शन की उम्मीद है। ***आइये ग्राफिक्स के जरिए समझते हैं किन खेलों से कौन से खिलाड़ी जाएंगे पेरिस...***

पेरिस ओलंपिक का आगाज 26 जुलाई को होगा। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने बुधवार को ओलंपिक के लिए भारतीय दल में सात रिजर्व सहित 117 एथलीटों के शामिल होने की पुष्टि की। भारत को इन एथलीट्स से शानदार प्रदर्शन की उम्मीद है। खेल मंत्रालय की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक, 140 सहायक कर्मचारी और अधिकारी भी आगामी ओलंपिक के लिए भारतीय दल के साथ जाएंगे।

वहीं, गोला फेंक एथलीट आभा खुटाआ का नाम इसमें शामिल नहीं है। विश्व रैंकिंग के जरिए कोटा हासिल करने वाली आभा खटुआ का नाम हटाने को लेकर कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है। कुछ दिन पहले विश्व एथलेटिक्स की ओलंपिक में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की सूची से उनका नाम हटा दिया गया था।

पेरिस ओलंपिक में एथलेटिक्स में भारत अपना सबसे बड़ा दल भेजेगा। 29 भारतीय एथलीट इन खेलों में पदक के लिए चुनौती पेश करेंगे जिसमे 11 महिला और 18 पुरुष शामिल हैं। इनके अलावा निशानेबाजी में 21 और हॉकी के 19 खिलाड़ी इन खेलों में हिस्सा लेंगे। टेबल टेनिस में आठ खिलाड़ी प्रतिनिधित्व करेंगे, जबकि बैडमिंटन में सात खिलाड़ी होंगे जिसमे दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू शामिल हैं।

इनके अलावा कुश्ती के छह, तीरंदाजी के छह और मुक्केबाजी के छह खिलाड़ी इन खेलों में हिस्सा लेंगे। वहीं, गोल्फ से चार, टेनिस के तीन, तैराकी से दो, सेलिंग के दो और घुड़सवारी, जूडो, रोइंग और भारोत्तोलन से एक-एकखिलाड़ी इन खेलों में जाएंगे। टोक्यो ओलंपिक में भारत ने 119 सदस्यों का दल भेजा था और टीम ने एक स्वर्ण सहित सात पदक जीते थे जो ओलंपिक में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था।

एथलेटिक्स पुरुष : 17+1

नाम	इवेंट
सर्वेश कुशारे	ऊंची कूद
सूरज पंवार	मैराथन रेस वॉक मिक्स्ड रिले
अक्षदीप सिंह	20 किमी रेसवॉक
विकास सिंह	20 किमी रेसवॉक
परमजीत बिष्ट	20 किमी रेसवॉक
किशोर जेना	जेवलिन थ्रो
नीरज चोपड़ा	जेवलिन थ्रो
मुहम्मद अनस	4x400 मीटर रिले
मुहम्मद अजमल	4x400 मीटर रिले
अमोज जैकब	4x400 मीटर रिले
संतोष तमिलरासन	4x400 मीटर रिले
राजेश रमेश	4x400 मीटर रिले
अविनाश साबले	3000 मीटर स्टीपलचेस
तजिंदरपाल सिंह तूर	शॉट पुट
अब्दुल्ला अबूबकर	ट्रिपल जंप
प्रवीण चित्रवेल	ट्रिपल जंप
जेस्विन आल्ड्रिन	लॉन्ग जंप
मिजो चाको कुरियन	एपी एथलीट ((रिजर्व)

एथलेटिक्स महिला : 10+1

नाम	इवेंट
अन्नूनरानी	जेवलिन थ्रो
पारुल चौधरी	3000 मीटर स्टीपलचेस, 5000 मीटर
किरण पाहल	400 मीटर, महिला 4x400 मीटर रिले
ज्योति यार्राजी	100 मीटर हर्डल्स
अंकिता ध्यानी	5000 मीटर
प्रियंका गोस्वामी	20 किमी रेसवॉक, मैराथन रेस वाक मिक्स्ड रिले
ज्योतिका श्री डांडी	4x400 मीटर रिले
सुभा वेंकटेशन	4x400 मीटर रिले
विथ्या रामराज	4x400 मीटर रिले
पूवम्मा एम.आर.	4x400 मीटर रिले
प्राची	एपी एथलीट (रिजर्व)
मिजो चाको कुरियन	एपी एथलीट ((रिजर्व)

हॉकी : 16 +3

- पीआर श्रीजेश
- जरमनप्रीत सिंह
- अमित रोहिदास
- हरमनप्रीत सिंह
- सुमित
- संजय
- राजकुमार पाल
- शमशेर सिंह
- मनप्रीत सिंह
- हार्दिक सिंह
- विवेक सागर
- अभिषेक
- सुखजीत सिंह
- ललित उपाध्याय
- मनदीप सिंह
- गुरजंत सिंह

रिजर्व: नीलकंठ शर्मा, जुगराज सिंह, कृष्ण बहादुर पाठक

शूटिंग: 10 पुरुष

नाम	इवेंट
संदीप सिंह	10 मीटर एयर राइफल में
अर्जुन बबुता	10 मीटर एयर राइफल में
ऐश्वर्य तोमर	50 मीटर राइफल 3 पोजीशंस में
स्वपील कुसाले	50 मीटर राइफल 3 पोजीशंस में
सरबजोत सिंह	10 मीटर एयर पिस्तौल में
अर्जुन चीमा	10 मीटर एयर पिस्तौल में
अनीश भांवल	25 मीटर रैपिड फायर पिस्तौल में
विजयवीर सिध्दू	25 मीटर रैपिड फायर पिस्तौल में
पृथ्वीराज तोंडैमन	पुरुष ट्रैप में
अनंतजीत सिंह नरुका	पुरुष स्कीट, स्कीट मिक्स्ड टीम में

शूटिंग: 11 महिला

नाम	इवेंट
वलारिवन, रमिता	10 मीटर एयर राइफल में
सिफ्ट कौर समरा	50 मीटर राइफल 3 पोजीशंस में
अंजुम मौदगिल	50 मीटर राइफल 3 पोजीशंस में
रिदम संगवान	10 मीटर एयर पिस्तौल में
मनु भाकर	10 मीटर एयर पिस्तौल में, 25 मीटर पिस्तौल में
एशा सिंह	25 मीटर पिस्तौल में
राजेश्वरी कुमारी	महिला ट्रैप में
श्रेयसी सिंह	महिला ट्रैप में
महेश्वरी चौहान	महिला स्कीट, स्कीट मिक्स्ड टीम में
राइजा धिल्लों	महिला स्कीट में

कुश्ती : 6

पुरुष : 1

नाम	इवेंट
अमन सहरावत	57 किग्रा

महिला : 5

नाम	इवेंट
विनेश फोगाट	50 किग्रा
अंतिम पंघाल	53 किग्रा
अंशु मलिक	57 किग्रा
निशा दहिया	68 किग्रा
रीतिका हुडा	76 किग्रा

बैडमिंटन : 7

पुरुष : 4

नाम	इवेंट
एच.एस. प्रणय	एकल
लक्ष्य सेन	एकल
सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी, चिराग शेट्टी	युगल

महिला : 3

नाम	इवेंट
पी.वी. सिंधु	एकल
अश्विनी पोनप्पा, तनीषा क्रास्टो	युगल

आर्चरी : 6

पुरुष : 3

नाम	इवेंट
धीरज बोम्मदेवरा	रिकर्व
तरूणदीप राय	रिकर्व
प्रवीण जाधव	रिकर्व

महिला : 3

नाम	इवेंट
भजन कौर	रिकर्व
दीपिका कुमारी	रिकर्व
अंकिता भकत	रिकर्व

तैराकी : 2

पुरुष: श्रीहरि नटराज
100 मीटर बैकस्ट्रोक

महिला: धिनिधि देसिंघु
200 मीटर फ्रीस्टाइल

टेबल टेनिस : 6+2

पुरुष: शरत कमल, हरमीत देसाई, मानव ठक्कर

महिला: मनिका बत्रा, श्रीजा अकुला, अर्चना कामथ

रिजर्व: साथियान जी, अयहिका मुखर्जी

घुड़सवारी : 1

नाम	इवेंट
अनुष अग्रवाला	ड्रेसेज

जूडो : 1

नाम	इवेंट
तूलिका मान	+78 किग्रा

रोइंग : 1

नाम	इवेंट
बलराज पंवार	पुरुषों की सिंगल स्कल

नौकायन : 2

नाम
पुरुष: विष्णु सरवनन महिला: नेथरा कुमानन

भारोत्तोलन : 1

नाम	इवेंट
मीराबाई चानू	49 किग्रा

टेनिस : 3

नाम	इवेंट
रोहन बोपन्ना, एन श्रीराम बालाजी	मेन्स डबल्स
सुमित नागल	मेन्स सिंगल्स

अमर उजाला
amarujala.com

गोल्फ : 4

पुरुष : 2

नाम
शुभांकर शर्मा
गगनजीत भुल्लर

शुभांकर शर्मा

महिला : 2

नाम
अदिति अशोक
दीक्षा डागर

अदिति अशोक

2024

GA FOUNDATION

RECORDED BATCH

Apni Pathshala
एक कदम उज्जवल भविष्य की ओर

Subject

- HISTORY ,POLITY
- GEOGRAPHY
- ECONOMICS

Price

1499/-

Validity 1 Year

By Ankit Avasthi Sir

GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

Ankit Inspires India

₹ Only 1999

6 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

Title: ______ Date: __/__/____

→ सिन्धु नदी का उद्गम कैलाश पर्वतीय क्षेत्र में बोखर चू हिमनद से होता है।
→ तिब्बत में इस नदी को सिंगी खंबान कहते है।
→ यह दमचोक नामक स्थान से भारत में प्रवेश करती है।
→ यह नदी भारत में लद्दाख तथा जास्कर श्रेणी के बीच बहती है।
→ पाकिस्तान में यह अटक (Attock) नामक स्थानों पर मैदानों में प्रवेश करती है।
→ पाकिस्तान में कराँची के पास डेल्टा बनाते हुए यह अरब सागर में गिरती है।
→ सिंधु नदी की दायें हाथ की प्रमुख सहायक नदियाँ :- श्योक, नुब्रा, हुनजा, गिलगिट, स्वात, काबुल तथा गोमल
→ इसकी प्रमुख बायें हाथ की सहायक नदियाँ झेलम, चिनाब रावी, व्यास, सतलज, ट्रांस तथा जास्कर
पंचनद
→ सिंधु से पचंनद पाक में मिठानकोट नामक स्थान पर मिलती है।
→ 'लेह' सिंधु नदी के किनारे स्थित है।

पंचनद

i) झेलम :- इस नदी का उद्गम जम्मू कश्मीर में

बेरिनाग झील से होता है।
* यह नदी वूलर झील का निर्माण करती है जो भारत की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील है।
→ इस नदी के किनारे श्रीनगर स्थित है।
→ किशनगंगा इसकी दायें हाथ की प्रमुख सहायक नदी है।
→ इस नदी पर तुलबुल परियोजना प्रस्तावित है। यह एक नौविहन परियोजना है।
→ यह नदी भारत तथा पाकिस्तान के बीच अन्तर्राष्ट्रीय सीमा का निर्माण करती है।

ii) चिनाब :- चिनाब नदी का उद्गम हिमाचल प्रदेश में बारालच्छा दर्रे के पास चन्द्र तथा भागा नदियों के मिलने (confluence) से होता है।
→ J & K में इस नदी पर जल विद्युत उत्पादन परियोजनाएँ स्थित है।
उदाहरण :- दुलहस्ती, सलाल, बगलिहार
→ यह सिंधु नदी की सबसे बड़ी सहायक नदी है।

iii) रावी :- रावी नदी का उद्गम रोहतांग दर्रे के पास से हिमाचल प्रदेश में होता है।
→ हिमाचल प्रदेश में इस नदी पर चमेरा बाँध स्थित है।
→ पंजाब में इस नदी पर थीन परियोजना स्थित है।

Title: _____ Date: __/__/____

किया। इस सिद्धान्त के अनुसार न तो ब्रह्माण्ड का कोई आदि है न ही कोई अंत है। यह समयानुसार अपरिवर्तित रहता है। यद्यपि इस सिद्धान्त में प्रसरणशीलता समाहित है परन्तु फिर भी ब्रह्माण्ड के घनत्व को स्थिर रखने के लिए इसमें पदार्थ स्वतः रूप से सृजित होता रहता है।

3). दोलन सिद्धान्त (Pulsating Universe theory) :-
यह सिद्धान्त डॉ. एलन सैंडेज ने प्रतिपादित किया था। इनके अनुसार आज से 130 करोड़ वर्ष पहले एक तीव्र विस्फोट हुआ था और तभी से ब्रह्माण्ड फैलता जा रहा है। 230 करोड़ वर्ष बाद गुरुत्वाकर्षण बल के कारण इनका विस्तार रुक जाएगा। इसके बाद ब्रह्माण्ड सकुंचित होने लगेगा और अत्यंत संपीडित और अनंत रूप से बिंदुमय आकार धारण कर लेगा। उसके बाद एक बार पुनः विस्फोट होगा और यही क्रम चलता रहेगा।

5) स्फीति का सिद्धान्त (Inflationary theory) :
यह सिद्धान्त अमेरिकी वैज्ञानिक अलेन गुथ ने दिया था। इस सिद्धान्त के अनुसार, विशालकाय अग्निपिण्ड के विस्फोट के पश्चात अति अल्पकाल में ब्रह्माण्ड का असाधारण त्वरित गति से फैलाव हुआ और ब्रह्माण्ड के आकार में कई गुना वृद्धि हो गई।

Title: _____ Date: __/__/____

तारों का निर्माण : तारों का निर्माण मुख्य रूप से हाइड्रोजन और हीलियम गैस से हुआ है। आकाशगंगाओं में उपस्थित हाइड्रोजन और हीलियम गैसों के घने बादलों के रूप में एकत्रित होने के साथ इसके जीवन चक्र का आरंभ होता है।

सौरमण्डल
सौरमण्डल का निर्माण 4.6 बिलियन वर्ष पूर्व हुआ था। सूर्य के चारों ओर भ्रमण करने वाले 8 ग्रह, 205 उपग्रह, धूमकेतु, उल्काएँ एवं क्षुद्रग्रह संयुक्त रूप से सौरमण्डल कहलाते हैं।

सूर्य (SUN) :- सूर्य एक गैसीय गोला है, जिसमें 71% हाइड्रोजन, 26.5% हीलियम व 2.5% अन्य तत्व विद्यमान हैं। सूर्य का केन्द्रीय भाग क्रोड (Core) कहलाता है।
→ सूर्य की ऊर्जा का स्रोत उसके केन्द्र में होने वाली नाभिकीय संलयन की क्रिया है।
→ सूर्य के प्रकाश को पृथ्वी तक पहुचने में 8 मिनट 16 सैकण्ड का समय लगता है।
→ सौर ज्वाला को उत्तरी ध्रुव पर औरोरा बोरियालिस कहते हैं। और दक्षिणी ध्रुव पर औरोरा आस्ट्रेलिस कहते हैं।

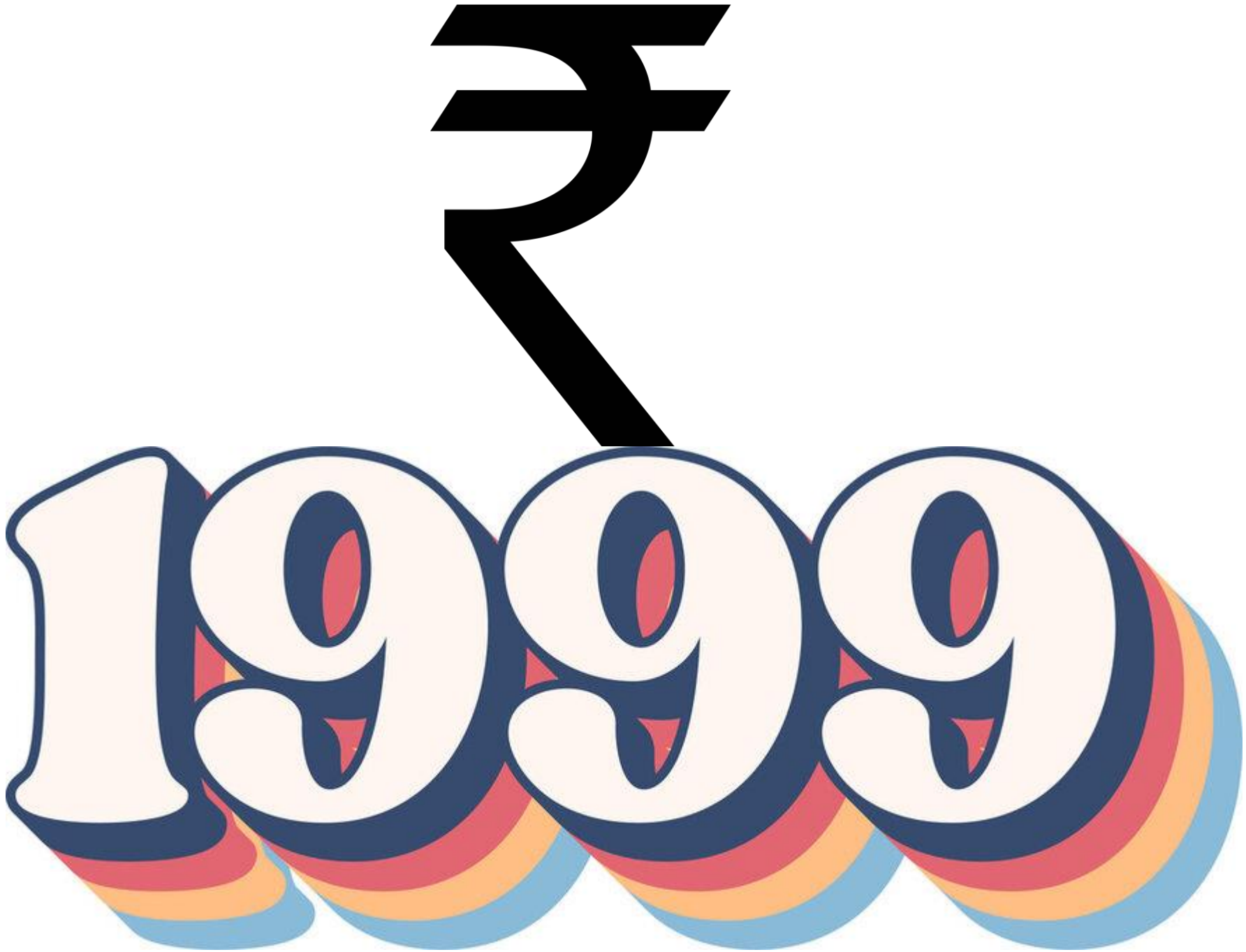
₹
1999

CALL CENTRE

HOW MAY I HELP YOU

7878158882

AnkitInspiresIndia

Download "Apni Pathshsla" app now!

Follow us:

3

आरिफ
फल

@ZakirAliTyagi
निसार
फल

IANS
@ians_india

Subscribe

UP: The Muzaffarnagar district administration has prepared for a peaceful Kanwar Yatra starting July 22, and directed vendors to display their identities to prevent confusion and disputes

11:32 AM · Jul 18, 2024 · **655** Views

Top stories

Eateries on Kanwar Yatra route to display owners' names >

Times of India

'Like Hitler's Germany': Massive backlash over UP Police Kanwar Yatra order

14 hours ago

India Today

Muzaffarnagar's new advisory for eateries along Kanwar Yatra route after r…

16 hours ago

NDTV

"Like Nazi Germany": UP Police Under Fire For Kanwar Yatra Rule

15 hours ago

The Hindu

In fresh order, Muzaffarnagar police request eatery owners to…

2 hours ago

Hindustan Times

On Kanwar route-eateries order, Akhilesh Yadav points to 'Guddu, Munna, Chhot…

15 hours ago

'Eateries On Kanwar Yatra Route To Display Owners' Names': UP Police Directive Stirs Row, Oppn Calls It Anti-Muslim

• Curated By: Diksha Modi • Translation Desk • Last Updated: JULY 18, 2024, 15:27 IST • Muzaffarnagar, India

The police order concerning the Kanwar Yatra route, mandating that all shop owners display their names prominently outside their establishments, is aimed at avoiding confusion and ensuring transparency during the religious procession

• Follow us: Whatsapp Facebook Twitter Telegram Google News

'Like Hitler's Germany': Massive backlash over UP Police Kanwar Yatra order

TOI News Desk / TIMESOFINDIA.COM / Updated: Jul 18, 2024, 16:14 IST

SHARE AA FOLLOW US

On Thursday, Uttar Pradesh Police faced criticism from various quarters over an order instructing Muzaffarnagar eateries to "voluntarily display" their owners' names to assist Kanwar Yatris. The directive applies to eateries along the Kanwar ... Read More

New For You

'He tapped my shoulder and said...': Axar Patel reveals what Rohit told...

Hardik Pandya and Natasa Stankovic announce Separation after 4 years o...

NEWS18
हिंदी

July

सावन माह प्रारंभ

The month of Sawan is particularly dedicated to Lord Shiva. In addition to its spiritual importance, several major fasts and festivals are observed during this period. For this year, the month of Sawan will commence on July 22 and conclude on August 19.

हिंदू धर्म में सावन का बहुत महत्व है। साल 2024 में सावन का महीना 22 जुलाई से शुरू हो रहा है। पूरे एक महीने में लोग भगवान शिव की पूजा करते हैं और व्रत भी रखते हैं। इन दिनों महादेव को खुश करने के लिए कई तरह के उपाय भी किए जाते हैं। आपने कई भक्तों को कांवड़ यात्रा करते भी देखा होगा। इन्हें कांवड़ियां कहते हैं। सावन के महीने में लोग नंगे पैर, भगवा वस्त्र पहने गंगा, शिप्रा, गोदावरी जैसी नदियों का जल लोटे में भरकर शिवलिंग का अभिषेक करते हैं। कहते हैं कि कांवड़ यात्रा करने से जीवन में सुख शांति आती है।

कांवड़ यात्रा को लेकर पहली मान्यता

मान्यताओं के अनुसार, भगवान परशुराम ने सबसे पहले कांवड़ यात्रा की शुरुआत की थी। परशुराम गढ़मुक्तेश्वर धाम से गंगाजल लेकर आए थे और यूपी के बागपत के पास स्थित 'पुरा महादेव' का गंगाजल से अभिषेक किया था। उस समय सावन मास ही चल रहा था, इसी के बाद से कांवड़ यात्रा की शुरुआत हुई। आज भी इस परंपरा का पालन किया जा रहा है। लाखों भक्त गढ़मुक्तेश्वर धाम से गंगाजल लेकर जाते हैं और पुरा महादेव पर जल अर्पित करते हैं।

कांवड़ यात्रा को लेकर दूसरी मान्यता

आनंद रामायण में इस बात का उल्लेख मिलता है कि भगवान राम पहले कांवड़िया थे। भगवान राम ने बिहार के सुल्तानगंज से गंगाजल भरकर देवघर स्थित बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग का अभिषेक किया था। उस समय सावन मास चल रहा था।

कांवड़ यात्रा को लेकर तीसरी मान्यता

प्राचीन ग्रंथों में रावण को पहला कांवड़िया बताया है। समुद्र मंथन के दौरान जब भगवान शिव ने हलाहल विष का पान किया था, तब भगवान शिव का कंठ नीला हो गया था और वे तभी से नीलकंठ कहलाए थे। लेकिन हलाहल विष के पान करने के बाद नकारात्मक शक्तियों ने भगवान नीलकंठ को घेर लिया था। तब रावण ने महादेव को नकारात्मक शक्तियों से मुक्त के लिए रावन ने ध्यान किया और गंगाजल भरकर 'पुरा महादेव' का अभिषेक किया, जिससे महादेव नकारात्मक ऊर्जाओं से मुक्त हो गए थे। तभी से कांवड़ यात्रा की परंपरा भी प्रारंभ हो गई।

कांवड़ यात्रा को लेकर चौथी मान्यता

कुछ विद्वान का मानना है कि सबसे पहले त्रेतायुग में श्रवण कुमार ने पहली बार कांवड़ यात्रा शुरू की थी। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, कांवड़ यात्रा की शुरुआत भगवान शिव के परम भक्त परशुराम ने की थी। एक मान्यता यह भी है कि श्रवण कुमार ने अपने अंधे माता-पिता की इच्छा पूरा करने के लिए कांवड़ में बैठाकर उन्हें हरिद्वार लाए थे। लौटते वक्त वे गंगाजल लेकर आए थे। इसी जल से उन्होंने भोलेनाथ का जलाभिषेक किया था।

कांवड़ यात्रा एक नहीं, बल्कि चार तरह की होती है। अलग-अलग कांवड़ यात्रा के अलग-अलग नियम है।

सामान्य कांवड़ यात्रा : सामान्य कांवड़ यात्रा बेहद सहज और सरल है। कांवड़ियां बीच रास्ते में कभी भी आराम कर सकता है और फिर यात्रा शुरू कर सकता है। बिहार और झारखंड में इस तरह की कांवड़ यात्रा प्रचलित है, जिसे बोल बम कहा जाता है।

खड़ी कांवड़ यात्रा : खड़ी कांवड़ यात्रा सामान्य यात्रा से थोड़ी मुश्किल होती है। इस कांवड़ यात्रा में लगातार चलना होता है। इसमें एक कांवड़ के साथ दो से तीन कांवड़ियों होते हैं। जब कोई एक थक जाता है, तो दूसरा कांवड़ लेकर चलता है। ऐसा इसलिए क्योंकि यात्रा में कांवड़ को नीचे जमीन पर नहीं रखते। इसी कारण इसे खड़ी कांवड़ यात्रा कहते हैं।

डाक कांवड़ : डाक कांवड़ यात्रा तो और भी मुश्किल है इस यात्रा में कांवड़ को पीठ पर ढोकर लगातार चलना पड़ता है। जो डाक कावड़ बिहार के सुल्तानगंज से देवघर जाते हैं, उन्हें 24 घंटे के अंदर देवघर के बाबा बैद्यनाथ धाम के शिवलिंग का अभिषेक करना होता है। ऐसा न करने पर यह यात्रा अधूरी मानी जाती है। इसलिए इस यात्रा के लिए रास्ते खाली करा दिए जाते हैं।

दांडी कांवड़ यात्रा : इसे दंड प्रणाम कांवड़ यात्रा भी कहते हैं। यह एक ऐसी कठिन यात्रा है, जिसे पूरा करने में कहो हफ्ता लग जाए और कहो तो महीनाभर। इस यात्रा में शिव भक्त गंगा घाट से शिव मंदिर तक दंडवत प्रणाम करते हुए जाते हैं। यानी भक्त जमीन पर लेटकर अपनी हाथ सहित कुल लंबाई को मापते हुए आगे बढ़ता है। इसमें चाहे, तो यात्री आराम कर सकते हैं और चाहें तो लगातार चल सकते हैं। उनकी मदद के लिए एक व्यक्ति साथ जरूर रहता है।

Kanwar Yatra 2024 Routes : The Kanwar Yatra involves several prominent routes, with Haridwar, Gaumukh, and Gangotri being the major starting points. **From these locations, devotees collect the sacred Ganges water and embark on their journey to various Shiva temples. Here are some of the key routes:**

- **Haridwar Route:** This is the most popular route, where devotees travel from Haridwar to Neelkanth Mahadev Temple in Rishikesh or the Pura Mahadeva Temple in Baghpat, Uttar Pradesh.
- **Gaumukh Route:** Devotees start their journey from Gaumukh, the source of the Ganges, and travel to their respective destinations.
- **Gangotri Route:** Another significant route begins at Gangotri, with devotees carrying water to temples like Kashi Vishwanath in Varanasi or Baidyanath Dham in Deoghar, Jharkhand.
- **Sultanganj to Deoghar Route:** This route involves collecting water from the Ganges at Sultanganj and traveling to the Baidyanath Temple in Deoghar, which is approximately 105 kilometers away.

KANWAR YATRA

ROUTE, PROMINENT TEMPLES

Devotees carry pitchers of holy water on their shoulders, balanced on decorated slings called Kanwars, to offer to Lord Shiva

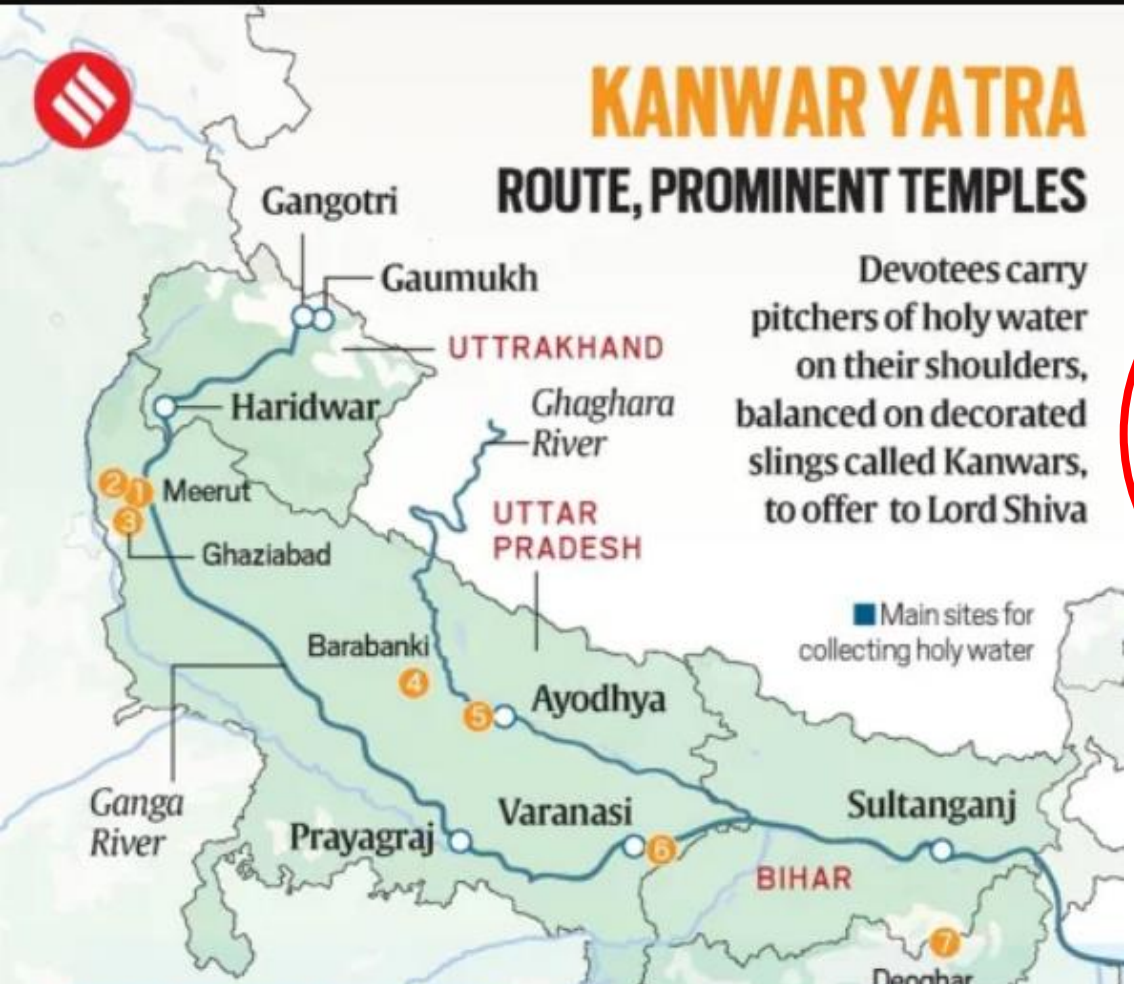

SOME PROMINENT TEMPLES

1. Augharnath Temple, Meerut
2. Pura Mahadeva, Meerut
3. Dudheshwar Nath Mandir, Ghaziabad
4. Lodheswar Mahadev Temple, Barabanki
5. Kshireshwar Nath Temple, Ayodhya
6. Kashi Vishwanath Temple, Varanasi
7. Baidyanath Dham, Deoghar

Graphic: IE Design

Uttar Pradesh District Map

Click any District on the map and get the detailed District Map

District Map of Uttar Pradesh

Click here for Customized Maps

After a row erupted over eateries on the Kanwar Yatra route in Uttar Pradesh's Muzaffarnagar being asked to display their owners' names, opposition parties saw the significant move as "anti-Muslim". The preparations for the Kanwar Yatra, which is set to commence on July 22, are underway accompanied by new guidelines from the administration.

On Wednesday (July 18), police in the Muzaffarnagar district issued an order concerning the Kanwar Yatra route, mandating that all eateries display the names of their owners prominently outside their establishments. This directive aims to avoid confusion and ensure transparency during the religious procession.

According to the order issued by the Muzaffarnagar senior superintendent of police (SSP), owners of eateries along the Kanwar Yatra route must clearly write the name of the shop owner on their premises. This requirement extends to hotels, dhabas and carts, with the intention of facilitating smoother coordination and accountability.

आज का विचार

"जब आप सबकुछ गवा बैठे तो उससे प्राप्त शिक्षा को न गंवाएं।"

ट्रम्प पर हमले से अमेरिकी राष्ट्रपति... 04

जल संरक्षण करें, अन्यथा आगामी पीढ़ियों... 08

सर्राफा/बाजार

सोना प्रति 10 ग्राम ₹ 75,430 | चांदी प्रतिकिलो 95,000 ₹

सेंसेक्स

सेंसेक्स 1.23% ▼ 80716.20 | ▼ 1.14% निफ्टी 24,613.00

www.dainikhint.com

@DainikHint

दैनिक हिन्ट

हमेशा आपके साथ

जोश, जुनून और जनता से जुड़ी खबरें

स्थापना : 1963

सुबह - शाम

5.34 - 7.20

तापमान

अधिकतम - न्यूनतम

36 - 29

एक्यूआई : 92

वर्ष : 45 | अंक : 330 | गाजियाबाद, बुधवार, 17 जुलाई, 2024 | पेज : 08 | मूल्य : 02 रु. | गाजियाबाद, नोएडा, दिल्ली, मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, बागपत, शामली, मुजफ्फरनगर व सहारनपुर से प्रसारित | डाक पंजीयन संख्या यूपी /GBD-166/2016-18

कांवड़ यात्रा — मुजफ्फरनगर में कांवड़ यात्राकी तैयारियों में जुटा प्रशासन

कांवड़ मार्ग पर पड़ने वाले होटल, ढाबों के साथ फलों के ठेलों पर भी संचालकों के नाम होगा अंकित

हिन्ट संवाददाता

मुजफ्फरनगर। विश्व की सबसे बड़ी यात्रा कावड़ यात्रा शुरू हो चुकी है और कावड़ यात्रा के साथ ही प्रशासन भी व्यवस्थाओ में जुट गया है। पिछले वर्ष कावड़ यात्रा के समय मुजफ्फरनगर के बघरा में स्तिथ आश्रम के संचालक स्वामी यशवीर महाराज ने राष्ट्रीय राजमार्ग 58 पर स्थित होटल, ढाबों के मुस्लिम समाज के लोगों द्वारा हिंदू देवी देवताओं के नाम पर आधारित नाम रखने का आरोप लगाते हुए ऐसे लोगों पर कार्यवाही की मांग की थी, इस बार भी स्वामी यशवीर महाराज ने प्रशासनिक अधिकारियों से वार्ता कर मुस्लिम होटल संचलकों के नाम मोटे अक्षरों में अंकित करने की मांग की थी। वही उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने भी प्रशासनिक अधिकारियों को होटल ढाबो पर मुस्लिम संचालकों के नाम अंकित करने के निर्देश दिए थे।

कावड़ यात्रा 2024 शुरू होते ही प्रशासनिक अधिकारियों ने इस बार फिर से सभी होटल ढाबों के संचालकों को निर्देश दिए हैं कि अपने होटल के बाहर अपने नाम मोटे अक्षरों में अंकित करें, इसके साथ ही इस बार कावड़ मार्ग पर पड़ने वाले फलों के ठेले पर भी मुस्लिम ठेले वालों के नाम लिस्ट लगाकर चिपकाए जा रहे हैं।।

मुजफ्फरनगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिषेक सिंह ने बताया कि कावड़ यात्रा शुरू हो चुकी है और हमारे जनपद में लगभग 240 किलोमीटर कावड़ मार्ग है, इसमें जितने भी खान-पान के होटल ढाबे या ठेले, जहां से भी कावड़िया अपनी खाद्य सामग्री खरीद सकते हैं उन्हें निर्देश दिए गए हैं कि काम करने वाले या संचालकों के नाम वहां जरूर अंकित करें ताकि किसी भी प्रकार का कोई कंफ्यूजन किसी को न रहे और कहीं भी ऐसी स्थिति ना बने की आरोप प्रत्यारोप लगे और बाद में कानून व्यवस्था की स्थिति बने। वहीं इस मुहिम को चलाने वाले स्वामी यशवीर महाराज ने भी प्रशासनिक अधिकारियों का धन्यवाद किया है।

कांवड़ मार्ग पर पड़ने वाले होटल, ढाबों के साथ फलों के ठेलों पर भी संचालकों के नाम होगा अंकित

हिन्ट संवाददाता

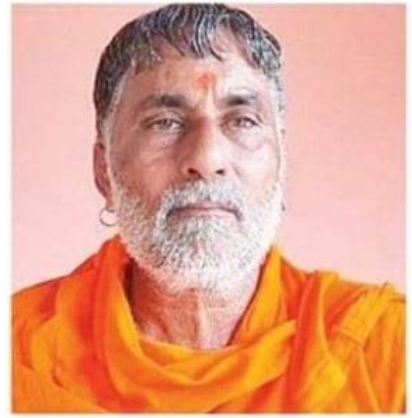

मुजफ्फरनगर। विश्व की सबसे बड़ी यात्रा कावड़ यात्रा शुरू हो चुकी है और कावड़ यात्रा के साथ ही प्रशासन भी व्यवस्थाओ में जुट गया है। पिछले वर्ष कावड़ यात्रा के समय मुजफ्फरनगर के बघरा में स्तिथ आश्रम के संचालक स्वामी यशवीर महाराज ने राष्ट्रीय राजमार्ग 58 पर स्थित होटल, ढाबों के मुस्लिम समाज के लोगों द्वारा हिंदू देवी देवताओं के नाम पर आधारित नाम रखने का आरोप लगाते हुए ऐसे लोगों पर कार्यवाही की मांग की थी, इस बार भी स्वामी यशवीर महाराज ने प्रशासनिक अधिकारियों से वार्ता कर मुस्लिम होटल संचलकों के नाम मोटे अक्षरों में अंकित करने की मांग की थी। वही उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने भी प्रशासनिक अधिकारियों को होटल ढाबो पर मुस्लिम संचालकों के नाम अंकित करने के निर्देश दिए थे।

कावड़ यात्रा 2024 शुरू होते ही प्रशासनिक अधिकारियों ने इस बार फिर से सभी होटल ढाबों के संचालकों को निर्देश दिए हैं कि अपने होटल के बाहर अपने नाम मोटे अक्षरों में अंकित करें, इसके साथ ही इस बार कावड़ मार्ग पर पड़ने वाले फलों के ठेले पर भी मुस्लिम ठेले वालों के नाम लिस्ट लगाकर चिपकाए जा रहे हैं।।

मुजफ्फरनगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिषेक सिंह ने बताया कि कावड़ यात्रा शुरू हो चुकी है और हमारे जनपद में लगभग 240 किलोमीटर कावड़ मार्ग है, इसमें जितने भी खान-पान के होटल ढाबे या ठेले, जहां से भी कावड़िया अपनी खाद्य सामग्री खरीद सकते हैं उन्हें निर्देश दिए गए हैं कि काम करने वाले या संचालकों के नाम वहां जरूर अंकित करें ताकि किसी भी प्रकार का कोई कंफ्यूजन किसी को न रहे और कहीं भी ऐसी स्थिति ना बने की आरोप प्रत्यारोप लगे और बाद में कानून व्यवस्था की स्थिति बने। वहीं इस मुहिम को चलाने वाले स्वामी यशवीर महाराज ने भी प्रशासनिक अधिकारियों का धन्यवाद किया है।

The decision has stirred a debate, with criticism from Owaisi, who alleged the measure could marginalise Muslims from taking part in the yatra. He likened it to "apartheid" in South Africa and "judenboycott" in Hitler's Germany. In a post on X, he said: "As per the order of Uttar Pradesh Police, now every food shop or cart owner will have to put his name on the board so that no *kanwariya* buys anything from a Muslim shop by mistake. This was called apartheid in South Africa and in Hitler's Germany it was called 'Judenboycott'."

न्यूज़ इंडिया
24 x 7
जनता TV
NEWS इंडिया 1
जन-तंत्र TV

Nazi boycott of Jewish businesses

Contents hide

(Top)
Earlier boycotts
Anti-Nazi boycott of 1933
National boycott
International impact
Subsequent events
See also
References
External links

From Wikipedia, the free encyclopedia

The **Nazi boycott of Jewish businesses** (German: *Judenboykott*) in Germany began on April 1, 1933, and was claimed to be a defensive reaction to the anti-Nazi boycott,[1][2] which had been initiated in March 1933.[3] It was largely unsuccessful, as the German population continued to use Jewish businesses, but revealed the intent of the Nazis to undermine the viability of Jews in Germany.[4]

It was an early governmental action against the Jews of Germany by the new National Socialist government, which culminated in the "Final Solution". It was a state-managed campaign of ever-increasing harassment, arrests, systematic pillaging, forced transfer of ownership to Nazi Party activists (managed by the Chamber of Commerce), and ultimately murder of Jewish business owners. In Berlin alone, there were 50,000 Jewish-owned businesses.[5]

Earlier boycotts [edit]

See also: Antisemitism and Antisemitic boycotts

Antisemitism in Germany grew increasingly pervasive after the First World War and was most prevalent in the universities. By 1921, the German student union Deutscher Hochschulring barred Jews from membership. Since the bar was racial, it included Jews who had converted to Christianity.[6] The bar was challenged by the government, leading to a referendum in which 76% of the student members voted for the exclusion.[6]

At the same time, Nazi newspapers began agitating for a boycott of Jewish

Nazi boycott of Jewish businesses

Part of Nazi Germany's anti-Jewish actions, including Anti-Jewish legislation in pre-war Nazi Germany, Racial policy of Nazi Germany, Nuremberg Laws, Kristallnacht, and the Holocaust, and of the Aftermath of Political violence in Germany (1918–1933).

Nazi SA paramilitaries outside Israel's Department Store in Berlin. The signs read: "Germans! Defend yourselves! Don't buy from Jews."

Date	April 1, 1933
Location	Pre-war Nazi Germany
Target	Jewish businesses and professionals
Participants	Nazi Party

Fernspr. Humb 04 8690
Jüdische
Kinderwagen
Ruhebetten
Steppdecken
mit
Knob-
lauch
Jude
Jude

Prosecution Exhibit 1A

Role in Anti-Jewish Boycott

A front-page newspaper article by Julius Streicher announcing the boycott of Jewish-owned shops and business: "On Saturday, 1 April, 1933 at 10:00am, the German people begin defensive action against the Jewish world-criminals! Strike down the world-enemy!

Courtesy of Struan Robertson.

Hamburger Tageblatt

Morgen Schlag 10 Uhr!

Graffiti scrawled on a Jewish-owned store in Frankfurt during the boycott.

Courtesy of the Anne Frank Foundation.

Prosecution Evidence - ppt download

Zafarul-Islam Khan
@khan_zafarul

A police officer in western UP confirms the orders to write the name of the owner on eateries and shops and carts selling any eatable so that kanwars are not confused...i.e., do not buy from a Muslim.... names given away the identity in India.

Zafarul-Islam Khan
@khan_zafarul

Author, journalist, commentator. Translated the Holy Quran into English @pharosmedia. Editor @milligazette; Ex-Chairman, Delhi Minorities Comm

New Delhi · zik.in · Born March 12, 1948 · Joined June 2009

68 Following **106.2K** Followers

12:11 PM · Jul 17, 2024 · **1.7M** Views

Adv. Somnath Bharti: इंसानियत से बड़ा कुछ नहीं!
@attorneybharti

What's next??
Blood collected from donors should mention religion of the donors??
Advocates, doctors should also display their religion outside the chamber to avoid confusion??
What's going on in our beautiful nation??

> **Zafarul-Islam Khan** @khan_zafarul · Jul 17
> A police officer in western UP confirms the orders to write the name of the owner on eateries and shops and carts selling any eatable so that kanwars are not confused...i.e., do not buy from a Muslim.... names given away the identity in India.

Adv. Somnath Bharti: इंसानियत से बड़ा कुछ नहीं!
@attorneybharti

3rd time MLA Malviya Nagar;Advocate, Supreme Court and Delhi High Court; Partner,Bharti & Associates (Advocates and Corporate Lawyers);Founder Trustee, @btgf
View more

Lawyer & Law Firm · New Delhi, India · somnathbharti.com
Born May 10 · Joined October 2009

1,821 Following **199.7K** Followers

12:18 PM · Jul 18, 2024 · **8,652** Views

Javed Akhtar
@Javedakhtarjadu

Muzaffarnagar UP police has given instructions that on the route of a particular religious procession in near future all the shops restaurants n even vehicles should show the name of the owner prominently and clearly . Why ? . In Nazi Germany they used to make only a mark on particular shops and houses

9:19 AM · Jul 18, 2024 · **1M** Views

Javed Akhtar
@Javedakhtarjadu

A poet, lyricist, scriptwriter, atheist and a die-hard optimist

Joined March 2010

249 Following **4.6M** Followers

Saurabh shukla
@Saurabh_Unmute

#Muzaffarnagar में पुलिस वालों ने हिंदू ढाबों से मुस्लिमों को निकलवा दिया

साक्षी ढाबे के मालिक दुखी हैं उनके मैनेजर “शफ़ाकत” ख़ुद कावड़ियों की सेवा करते थे उन्हें हटाना पड़ा

कैसे हिंदू मालिक मुस्लिम नौकरों की ईमानदारी की क़समें खा रहे हैं
Full Report 👇

9:51 PM · Jul 18, 2024 · **141K** Views

Saurabh shukla

@Saurabh_Unmute

Journalist @theredmike

New Delhi, India   Joined September 2017

1,269 Following   **79.8K** Followers

[redacted]

Sumit Dhiman, owner of Shivaay Fast Food and Dhaba welcomes the order that came from the police regarding mention of names of owners on eateries during Kanwar Yatra.

We Hindus also have the right to eat at places which follow our dharmic principles & beliefs.

Last edited 4:46 PM · Jul 18, 2024 · **505** Views

Rajdeep Sardesai
@sardesairajdeep

Story that caught the eye: so now, food sellers/hawkers in UP along the Kanwar Yatra route have been given strict instructions by the police to reveal their names on their hand carts/shops/restaurants . In effect, a signal that no food be purchased from Muslim-owned shops! In South Africa, such practises once defined 'apartheid'. Sabka saath, sabka vikas anyone?

10:17 AM · Jul 18, 2024 · 818.4K Views

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

... और जिसका नाम गुड्डू, मुन्ना, छोटू या फत्ते है, उसके नाम से क्या पता चलेगा?

माननीय न्यायालय स्वत: संज्ञान ले और ऐसे प्रशासन के पीछे के शासन तक की मंशा की जाँच करवाकर, उचित दंडात्मक कार्रवाई करे। ऐसे आदेश सामाजिक अपराध हैं, जो सौहार्द के शांतिपूर्ण वातावरण को बिगाड़ना चाहते हैं।

Translate post

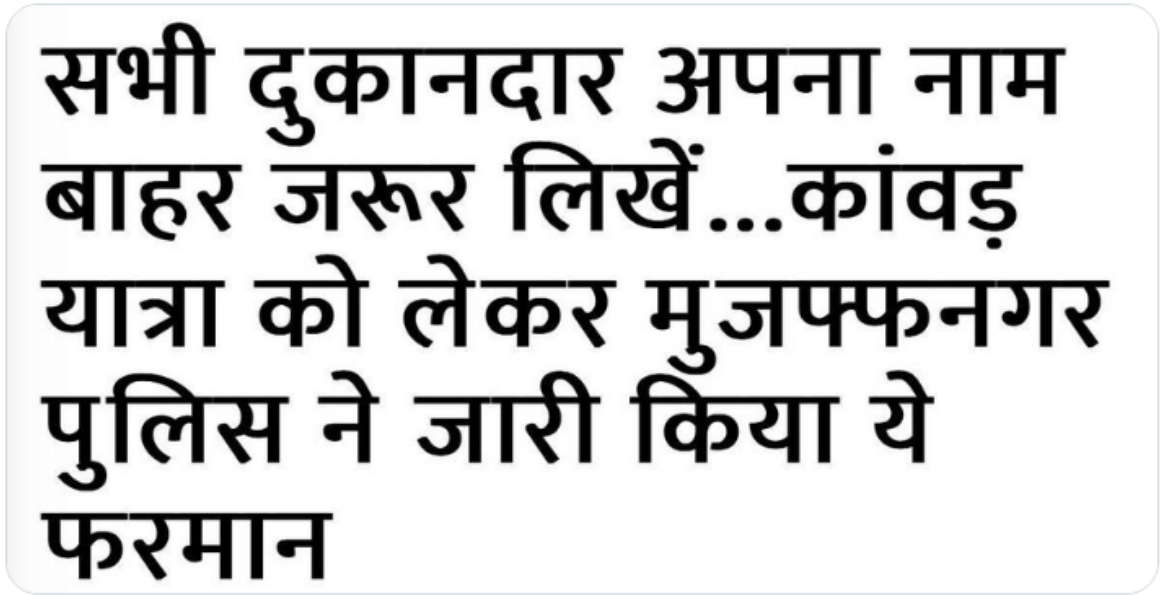

10:10 AM · Jul 18, 2024 · **997.3K** Views

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

मुज़फ़्फ़रनगर पुलिस ने जनता के भाईचारे और विपक्ष के दबाव में आकर आख़िरकार होटल, फल, ठेलोंवालों को अपना नाम लिखकर प्रदर्शित करने के प्रशासनिक आदेश को स्वैच्छिक बनाकर जो अपनी पीठ थपथपायी है, उतने से ही अमन-औ-चैन पसंद करनेवाली जनता माननेवाली नहीं है। ऐसे आदेश पूरी तरह से ख़ारिज होने चाहिए।

माननीय न्यायालय सकारात्मक हस्तक्षेप करते हुए शासन के माध्यम से ये सुनिश्चित करवाए कि भविष्य में ऐसा कोई भी विभाजनकारी काम शासन-प्रशासन नहीं करेगा।

ये प्रेम और सौहार्द से उपजी एकता की जीत है।

Translate post

5:32 PM · Jul 18, 2024 · **500.8K** Views

Pinned

Pawan Khera 🇮🇳
@Pawankhera

■ कांवड़ यात्रा के रूट पर फल सब्ज़ी विक्रेताओं व रेस्टोरेंट ढाबा मालिकों को बोर्ड पर अपना नाम लिखना आवश्यक होगा।
■ यह मुसलमानों के आर्थिक बॉयकॉट की दिशा में उठाया कदम है या दलितों के आर्थिक बॉयकॉट का, या दोनों का, हमें नहीं मालूम।
■ जो लोग यह तय करना चाहते थे कि कौन क्या खाएगा, अब वो यह भी तय करेंगे कि कौन किस से क्या ख़रीदेगा?
■ जब इस बात का विरोध किया गया तो कहते हैं कि जब ढाबों के बोर्ड पर हलाल लिखा जाता है तब तो आप विरोध नहीं करते।
■ इसका जवाब यह है कि जब किसी होटल के बोर्ड पर शुद्ध शाकाहारी भी लिखा होता है तब भी हम होटल के मालिक, रसोइये, वेटर का नाम नहीं पूछते।
■ किसी रेहड़ी या ढाबे पर शुद्ध शाकाहारी, झटका, हलाल या कोशर लिखा होने से खाने वाले को अपनी पसंद का भोजन चुनने में सहायता मिलती है।
लेकिन ढाबा मालिक का नाम लिखने से किसे क्या लाभ होगा?
■ भारत के बड़े मीट एक्सपोर्टर हिंदू हैं। क्या हिंदुओं द्वारा बेचा गया मीट दाल भात बन जाता है? ठीक वैसे ही क्या किसी अल्ताफ़ या रशीद द्वारा बेचे गए आम अमरूद गोश्त तो नहीं बन जाएँगे।

PASEO
PASEO

ANI
ANI

Saket Gokhale MP
@SaketGokhale

Important

I've filed a case with NHRC against Muzaffarnagar Police for the shocking order discriminating against Muslims by asking food sellers on the Kanwar Yatra route to "display their names & names of staff members".

The logic given by SSP Muzaffarnagar is not only foolish but also shameless. He says that it is to "avoid confusion" as "yatris have dietary preferences".

A simple notification asking vendors to state whether they serve only vegetarian food or both veg & non-veg would have sufficed.

What does the name of a shopkeeper or food vendor have to do with "confusion on dietary preferences"?

This is a clearly mischievous and unlawful order promoting discrimination & targeting on the basis of religious identity. It is even more shameless that the SSP hasn't withdrawn the order despite protests on social media.

I've asked the @India_NHRC to immediately direct SSP @muzafarnagarpol to withdraw this order as well as directions to Chief Sec & Home Sec, UP, to initiate disciplinary proceedings against SSP, Muzaffarnagar.

This is UNACCEPTABLE and will be challenged.

Saket Gokhale MP

@SaketGokhale

Member of Parliament - Rajya Sabha | 2nd youngest MP in RS | National Spokesperson - All India Trinamool Congress (TMC)

View more

New Delhi instagram.com/saket.gokhale Joined March 2009

4,557 Following **276.2K** Followers

सत्यमेव जयते
SAKET GOKHALE
MEMBER OF PARLIAMENT, RAJYA SABHA

18th July. 2024

To,
Sh Joginder Singh,
Ld Registrar (Law),
National Human Rights Commission (NHRC)

Complaint for registering case
In the matter of discrimination against and targeting of Muslims by Muzaffarnagar Police, Uttar Pradesh

This urgent complaint is being filed by the undersigned Member of Parliament (MP), Rajya Sabha, against the Senior Superintendent of Police (SSP), Muzaffarnagar Police, Uttar Pradesh for wilfully issuing orders dt. 17/07/2024 that discriminate against persons from the minority community.

The facts of the matter are as follows:

1. On 17/07/2024, an order was issued by the Muzaffarnagar Police directing that all restaurant and dhaba owners, food sellers, fruit vendors, and other such roadside carts falling on the 240-km route of the Kanwar Yatra must display the names of the owners and staff members
2. The justification given for this order was to "avoid any confusion" amongst the Yatris
3. After protests on social media, a clarification was issued stating that Yatris abstain from certain kinds of food and that "names" of certain shops (NOT food items) might confuse them

In this regard, the following facts need to be considered:

1. If the objective is to help Yatris avoid any kind of food that they abstain from, a clear board listing the dishes offered would be sufficient
2. If Yatris wish to avoid eating from establishments that also serve non-vegetarian food, a simple board stating "only veg food served" would be sufficient to help avoid confusion

However, it is stated here that this extremely mischievous and unlawful order has been issued merely to force vendors and sellers from the minority community to display their names so that an establishment can be identified as being "owned/run by a Muslim." There seems to be absolutely no logic or purpose in asking establishments and food sellers to display their names except for forcing them to reveal their religion and identity.

There is no requirement under law for any vendors or restaurants to display the name of the owner and staff in their establishments. A customer should have zero concern with the religion or caste of any food seller or restaurant owners as long as the food being served is hygenic and meets their dietary requirements. As stated above, a simple board declaring whether the establishment serves "only vegetarian" or "both vegetarian and non-vegetarian" dishes is sufficient for any customer to make an educated choice without any possible confusion.

703 BRAHMAPUTRA, DR. BISHAMBAR DAS MARG, NEW DELHI 110001
PHONE: [redacted] | EMAIL: SAKET.GOKHALE@SANSAD.NIC.IN

सत्यमेव जयते
SAKET GOKHALE
MEMBER OF PARLIAMENT, RAJYA SABHA

The order issued by the Muzaffarnagar Police asking restaurant and dhaba owners, food sellers, and owners of food carts to display the names of the owners and the staff members is, therefore, a gross violation of the fundamental right to equality and non-discrimination. By forcing food sellers to display their names and identities, the order exposes them to discrimination and also violates their fundamental right to livelihood.

It is, therefore, prayed that the National Human Rights Commission (NHRC) may be pleased to:

1. **Issue an notice to the Senior Superintendent of Police, Muzaffarnagar Police, directing that the impugned order be withdrawn with immediate effect**
2. **Issue a notice to the Chief Secretary and Home Secretary of Govt of Uttar Pradesh directing that an investigation be carried out into this matter and appropriate disciplinary action be taken against officials of Muzaffarnagar Police who were responsible for this discriminatory order**

It is requested that this matter be taken up with the utmost urgency considering that the impugned order has already come into effect and that it needs to be struck down immediately in the interest of fundamental human rights.

Regards,

Saket Gokhale
Member of Parliament (MP)
Rajya Sabha

SAKET GOKHALE MEMBER OF PARLIAMENT

New Delhi
18/07/2024

703 BRAHMAPUTRA, DR. BISHAMBAR DAS MARG, NEW DELHI 110001
PHONE: [redacted] | EMAIL: SAKET.GOKHALE@SANSAD.NIC.IN

Mukhtar Abbas Naqvi
@naqvimukhtar

कुछ अति-उत्साही अधिकारियों के आदेश हड़बड़ी में गडबड़ी वाली ..अस्पृश्यता की बीमारी को बढ़ावा दे सकते हैं...आस्था का सम्मान होना ही चाहिए,पर अस्पृश्यता का संरक्षण नहीं होना चाहिए...."जनम जात मत पूछिए, का जात अरु पात।
रैदास पूत सब प्रभु के,कोए नहिं जात कुजात।।🙏🙏🙏

Translate post

7:58 PM · Jul 18, 2024 · **318.2K** Views

Mukhtar Abbas Naqvi
@naqvimukhtar

मुख़्तार अब्बास नक़वी, पूर्व कैबिनेट मंत्री, भारत सरकार
Mukhtar Abbas Naqvi, Former Cabinet Minister GOI🇮🇳,Ex national General Secretary BJP

India · Born October 15 · Joined April 2011

688 Following **1.2M** Followers

Mukhtar Abbas Naqvi
@naqvimukhtar

अरे ट्रोलर टट्टुओं...कांवड यात्रा के सम्मान, श्रद्धा का सर्टिफिकेट कम से कम मुझे तो मत बाटो, मेरा हमेशा मानना है कि "कोई भी आस्था असहिष्णुता,अस्पृश्यता की बन्धक नहीं होनी चाहिए" 👇🙏

Translate post

9:44 PM · Jul 18, 2024 · **191.8K** Views

Conversely, activist Swami Chakrapani has praised the directive as a positive step. Earlier advisories from the Uttar Pradesh government included restrictions on carrying weapons during the yatra, scheduled from July 22 to August 19. Director general of police (DGP) Prashant Kumar announced traffic diversions, prohibiting heavy vehicles on specified routes and emphasising compliance with Supreme Court guidelines on DJ sound limits.

Additionally, liquor and meat shops along the yatra routes will remain closed, and authorities are instructed to prevent stray animals from obstructing the pilgrims' path. Surveillance through CCTV and drones will monitor the event, ensuring safety and security measures are upheld.

ऐसी मानसिकता को क्या कहेंगे आप ?

दूध में थूका

कपड़ों पर थूका

पानी में थूका

फल पर थूका

रोटी पर थूका

चेहरे पर थूका

@SocialTamasha

10.	उत्तर प्रदेश 23 अप्रैल, 2023	◆ इंटरनेट पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें आमिर नाम के एक मेहंदी कलाकार की दुकान थी और उसका विज़िटिंग कार्ड भी **राज मेहंदी स्टोर** के नाम से था। ◆ महिला ग्राहक ने उसकी पहचान जानने के बाद उससे कहा, "बहुत से हिंदू हैं जो सिर्फ़ हिंदू मेहंदी कलाकारों के पास जाना चाहते हैं। हिंदू तुम्हारी दुकान पर यह मानकर आते हैं कि तुम हिंदू हो। यह धोखाधड़ी है।	 और जानिए X link
11.	**मथुरा** (उत्तर प्रदेश) 1 जून 2022	◆ मथुरा के मुस्लिम होटल मालिक **जमील अहमद** के मुताबिक, उसका परिवार 1974 से **ताजमहल नाम** से होटल संचालित कर रहा था। ◆ मथुरा में मंदिर एरिया में यूपी सरकार की तरफ से **नॉनवेज** की बिक्री पर **प्रतिबंध** लगाने के बाद **दिसंबर 2021** में जमील ने अपने होटल ताजमहल का नाम बदलकर **'रॉयल फैमिली रेस्टोरेंट'** कर लिया।	 और जानिए
12.	खतौली (उत्तर प्रदेश) 3 अप्रैल, 2022	◆ सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें **श्री लक्ष्मी शुद्ध फैमिली ढाबा** दिखाई दे रहा है, पर इसका मालिक शमशेर है। ◆ वीडियो में एक व्यक्ति कह रहा है कि यदि कोई मुस्लिम अपने नाम से ढाबा चलाता है हम कोई दिक्कत नही, लेकिन मुस्लिम होके हिन्दू नाम से ढाबा क्यों क्या कारण हो सकता है?	 और जानिए
13.	**धार** (मध्य प्रदेश) 31 अगस्त 2021	◆ **धार के खाचरोदा** में **मुस्लिम** युवक **इलियास** हिंदू देवता **सांवरिया** के नाम पर पानी-पूड़ी की दुकान चला रहा था। ◆ स्थानीय लोगों को इसका पता चला	

क्रमांक	स्थान/ दिनांक	घटना विवरण	चित्र/स्रोत
1.	**सहारनपुर** (उत्तर प्रदेश) 8 जुलाई 2024	◆ **सहारनपुर** में हाईवे पर धर्म छिपाकर धंधा करने का मामला प्रकाश में आया है। ◆ एक ऐसा ही ढाबा **जनता वैष्णो ढाबा** के नाम से **अंबाला रोड हाईवे** पर चल रहा है, जिसका **मालिक मोहम्मद अनस सिद्दीकी** हैं जो पिछले 15 वर्ष से इस ढाबे को चला रहा है। ◆ हिंदुओ के धार्मिक नाम होने की वजह से श्रद्धालु यहां रूक कर खाना नाश्ता खाते पीते हैं।	 और जानिए
2.	**आगरा-मथुरा रोड** (उत्तर प्रदेश) 10 जुलाई 2024	◆ सोशल मीडिया पर **श्री खाटू श्याम ढाबा** से एक होटल का वीडियो तेजी से वायरल हुआ, वीडियो में दावा किया गया कि इस होटल का मालिक मोहम्मद इरशाद है। ◆ दरअसल, मुस्लिम दुकानों पर खानों में की जा रही अनियमितताओं को देखकर कावड़ियों के लिए प्रशासन ने दुकानों का चिन्हिकरण अनिवार्य कर दिया है।	 और जानिए
3.	**बरेली** (उत्तर प्रदेश) 8 जुलाई 2024	◆ **उत्तर प्रदेश के बरेली** में **चौधरी स्वीट्स** के नाम से **अहमद मियां** कई सालों से दुकान चला रहे हैं। ◆ हिन्दू धर्म के लोग उनकी दुकान से मिठाई खरीदें इसके लिए दुकान का नाम चौधरी स्वीट्स रखा गया।	 और जानिए

4.	**बिहार** 12 जुलाई 2024	◆ सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें दावा किया गया कि मुस्लिम युवक उजियार आलम ने **अर्जुन सिंह नाम से दुकान** खोली। ◆ हिंदू बनकर अपने दुकान पर हिंदू लड़कियों से उजियार ने छेड़खानी भी किया। पहचान सामने आने पर लोगों ने प्रशासन से सख्त कार्यवाही करने की निवेदन की।	 और जानिए
5.	**हरिद्वार रोड** (उत्तर प्रदेश) 21 जुलाई 2023	◆ हरिद्वार रोड पर भगवान गणेश की तस्वीर लगाकर ढ़ाबा **'न्यू गणपति टूरिस्ट ढाबा नंबर-1'** चला रहे मुस्लिम व्यक्ति वसीम की पहचान हुई। ◆ प्रशासन के कुछ लोगों ने जब इस बात की आपत्ति जताई तब जाकर वसीम ने गणेश जी की फोटो दुकान से हटाई।	 और जानिए
6.	**मुज़फ़्फ़रनगर** (उत्तर प्रदेश) 22 जुलाई 2023	◆ एनएच-58 पर स्थित **'ओम शिव वैष्णो'** जिसका मालिक आदिल राठौर था। कांवड़ यात्रा 2023 के समय जब लोगों को पता चला कि यहां मुस्लिम मालिक है तो प्रशासन में शिकायत की गई। ◆ मुज़फ़्फ़रनगर पुलिस के आपत्ति पर आदिल राठौर ने 'ओम शिव वैष्णो' का नाम बदलकर वेलकम टू पिकनिक पॉइंट टूरिस्ट ढाबा कर दिया।	 और जानिए

7.	**हरि के पौड़ी** (उत्तराखंड) 9 मई 2023	◆ **हर की पौड़ी** के पास तीर्थयात्रियों के लिए **भोजनालय** चलाने के वास्ते अपनी धार्मिक पहचान छुपाने और **हिन्दू नाम** रखने के आरोप में **9 मई 2023** को एक व्यक्ति को पकड़ा गया है। ◆ आरोपी ने खुद को **चुन्नू बताया,** लेकिन उसके **आधार कार्ड** में उसके **पिता का नाम मोहम्मद मुनीर** लिखा था। वह उत्तर प्रदेश के **मऊ** का रहने वाला है। ◆ नगर निगम के उपनियमों के अनुसार हर की पौड़ी क्षेत्र में **गैर-हिंदू प्रवेश नहीं** कर सकते हैं।	 और जानिए
8.	**खतौली** (उत्तर प्रदेश) 2 मई 2023	◆ धार्मिक पहचान छिपाकर कारोबार करने का एक और मामला **खतौली** से प्रकाश में आया है। ◆ दिल्ली-हरिद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग पर खतौली में **शिव पंजाबी ढाबा** नाम का एक ढाबा है जिसका **मालिक मुस्लिम है।** ◆ जब ग्राहक ने **QR कोड स्कैन** किया तो नाम **मुस्लिम** का आया इससे वो ग्राहक भड़क गया और विवाद हो गया।	 और जानिए X link
9.	**दिल्ली** 29 अप्रैल, 2023	◆ किशनगंज बाजार में मुस्लिम युवक के द्वारा **'राम मीट शॉप'** नाम से मीट की दुकान थी, लेकिन जब दुकान की तस्वीर ऑनलाइन शेयर की गई, तो बैनर हटा दिया गया।	 और जानिए X link

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Food Safety and Standards Authority of India)

Notification

New Delhi, dated the 1st August, 2011

F.No. 2-15015/30/2010 Whereas in exercise of the powers conferred by clause (o) of sub section (2) of section 92 read with section 31 of Food Safety and Standards Act, 2006 (34 of 2006) the Food Safety and Standards Authority of India proposes to make Food Safety and Standards Regulations in so far as they relates to Food Safety and Standards(Licensing and Registration of Food Businesses) Regulations, 2011, and;

Whereas these draft Regulations were published in consolidated form at pages 1 to 776 in the Gazette of India Extraordinary Part III – Sec. 4 dated 20th October 2010 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of the period of thirty days from the date on which the copies of the Gazette containing the said notification were made available to the public;

And whereas the copies of the Gazette were made available to the public on the 21st October 2010;

And whereas objections and suggestions received from the stakeholders within the specified period on the said draft Regulations have been considered and finalized by the Food Safety and Standards Authority of India.

Now therefore, the Food Safety and Standards Authority of India hereby makes the following Regulations, namely,-

FOOD SAFETY AND STANDARDS (LICENSING AND REGISTRATION OF FOOD BUSINESSES), REGULATIONS 2011

CHAPTER 1
GENERAL

1.1: Short title and commencement-

1.1.1: These regulations may be called the Food Safety and Standards (Licensing and Registration of Food Businesses) Regulations, 2011.

1.1.2: These regulations shall come into force on or after 5th August, 2011

Annexure 3

Conditions of License

All Food Business Operators shall ensure that the following conditions are complied with at all times during the course of its food business.

Food Business Operators shall:

1. Display a true copy of the license granted in Form C shall at all times at a prominent place in the premises.
2. Give necessary access to Licensing Authorities or their authorised personnel to the premises
3. Inform Authorities about any change or modifications in activities /content of license.
4. Employ at least one technical person to supervise the production process. The person supervising the production process shall possess at least a degree in Science with Chemistry/Bio Chemistry/Food and Nutrition/ Microbiology or a degree or diploma in food technology/ Dairy technology/ dairy microbiology/ dairy chemistry/ dairy engineering/ oil technology /veterinary science /hotel management & catering technology or any degree or diploma in any other discipline related to the specific requirements of the business from a recognized university or institute or equivalent.
5. Furnish periodic annual return (1st April to 31st March), within upto 31st May of each year. For collection/ handling/ manufacturing of Milk and Milk Products half yearly returns also to be furnished as specified (1st April to 31st September before 30th November and 1st October to 31st March).
6. Ensure that no product other than the product indicated in the license/ registration is produced in the unit.
7. Maintain factory's sanitary and hygienic standards and worker's Hygiene as specified in the Schedule - 4 according to the category of food business.
8. Maintain daily records of production, raw materials utilization and sales separately.
9. Ensure that the source and standards of raw material used are of optimum quality.
10. Food Business Operator shall not manufacture, store or expose for sale or permit the sale of any article of food in any premises not effectively separated to the satisfaction of the licensing authority from any privy, urinal, sullage, drain or place of storage of foul and waste matter.
11. Ensure Clean-In-Place systems (wherever necessary) for regular cleaning of the machine & equipments.
12. Ensure testing of relevant chemical and/or microbiological contaminants in food products in accordance with these regulations as frequently as required on the basis of historical data and risk assessment to ensure production and delivery of safe food through own or NABL accredited /FSSA notified labs at least once in six months.
13. Ensure that as much as possible the required temperature shall be maintained throughout the supply chain from the place of procurement or sourcing till it reaches the end consumer including chilling, transportation, storage etc.

ANI
@ANI

1:32 PM · Jul 18, 2024

#WATCH | Uttar Pradesh: On Kanwar Yatra, DIG Saharanpur Ajay Kumar Sahni says, "Instances have come to light earlier that Kanwarias had arguments over rate list for food at hotels and dhabas. Besides this, there have been instances where non-veg is available at some hotel/dhaba or a person of some other community has opened a hotel/dhaba under some other name and this has led to issues. In the wake of that, it was decided that the name of the proprietor/owner of shops/hotels/dhabas would be written clearly on the boards, rate lists would be written clearly and names of workers would also be written clearly so that no issues of any kind arise...Talks had been held with everyone, and all hotels/dhabas have agreed to it...This has been decided for our Kanwar route..."

Constitution Article

Article 15 in Constitution of India

15. Prohibition of discrimination on grounds of religion, race, caste, sex or place of birth

(1) The State shall not discriminate against any citizen on grounds only of religion, race, caste, sex, place of birth or any of them.

(2) No citizen shall, on grounds only of religion, race, caste, sex, place of birth or any of them, be subject to any disability, liability, restriction or condition with regard to-

(a) access to shops, public restaurants, hotels and places of public entertainment; or

(b) the use of wells, tanks, bathing ghats, roads and places of public resort maintained wholly or partly out of State funds or dedicated to the use of the general public.

(3) Nothing in this article shall prevent the State from making any special provision for women and children.

*[**Editorial comment**- The Constitution (First Amendment) Act, 1951, made several changes to the Fundamental Rights Part of the Indian constitution. It made it clear that the right to equality does not preclude passing laws that give special consideration to society's most vulnerable groups.Article 15(3) was appropriately expanded to prevent any special provisions made by the State for the social, economic, or educational progression of any disadvantaged class of citizens from being contested based on discrimination.**Also Refer** Also refer]*

(4) Nothing in this article or in clause (2) of article 29 shall prevent the State from making any special provision for the advancement of any socially and educationally backward classes of citizens or for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes.

(5) Nothing in this article or in sub-clause (g) of clause (1) of article 19 shall prevent the State from making any special provision, by law, for the advancement of any socially and educationally backward classes of citizens or for the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes in so far as such special provisions relate to their admission to educational institutions including private educational institutions, whether aided or unaided by the State, other than the minority educational institutions referred to in clause (1) of article 30.

[The Constitution (Ninety-third Amendment) Act, 2005, adjoined a clause to Article 15 stating that the state has the authority to establish certain specific Provisions concerning accommodations for the progress of any sociologically and academically disadvantaged sectors of the society, as well as to the scheduled castes and scheduled tribes, with respect to their enrollment to academic institutions, including private academic institutions, whether assisted or unassisted by the state, except minority institutions.Also Refer]

PART III

ARTICLE

15

Prohibition of discrimination on grounds of religion, race, caste, sex or place of birth

(1) The State shall not discriminate against any citizen on grounds only of religion, race, caste, sex, place of birth or any of them.

(2) No citizen shall, on grounds only of religion, race, caste, sex, place of birth or any of them, be subject to any disability, liability, restriction or condition with regard to—

(a) access to shops, public restaurants, hotels and places of public entertainment; or

(b) The use of wells, tanks, bathing ghats, roads and places of public resort maintained wholly or partly out of State funds or dedicated to the use of the general public.

(3) Nothing in this article shall prevent the State from making any special provision for women and children.

(4) Nothing in this article or in clause (2) of article 29 shall prevent the State from making any special provision for the advancement of any socially and educationally backward classes of citizens or for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes.

(5) Nothing in this article or in sub-clause (g) of clause (1) of article 19 shall prevent the State from making any special provision, by law, for the advancement of any socially and educationally backward classes of citizens or for the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes in so far as such special provisions relate to their admission to educational institutions including private educational institutions, whether aided or unaided by the State, other than the minority educational institutions referred to in clause (1) of article 30.

2024

GA FOUNDATION

RECORDED BATCH

Apni Pathshala
एक कदम उज्जवल भविष्य की ओर

Subject

- HISTORY ,POLITY
- GEOGRAPHY
- ECONOMICS

Price

1499/-

Validity 1 Year

By Ankit Avasthi Sir

GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

Ankit Inspires India

₹ Only 1999

6 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

→ सिन्धु नदी का उद्गम कैलाश पर्वतीय क्षेत्र में बोखर चू हिमनद से होता है।

→ तिब्बत में इस नदी को सिंगी खंबान कहते हैं।

→ यह दमचोक नामक स्थान से भारत में प्रवेश करती है।

→ यह नदी भारत में लद्दाख तथा जास्कर श्रेणी के बीच बहती है।

→ पाकिस्तान में यह अटक (Attock) नामक स्थानों पर मैदानों में प्रवेश करती है।

→ पाकिस्तान में कराँची के पास डेल्टा बनाते हुए यह अरब सागर में गिरती है।

→ सिंधु नदी की दायें हाथ की प्रमुख सहायक नदियाँ :- श्योक, नुब्रा, हुनजा, गिलगिट, स्वात, काबुल तथा गोमल

→ इसकी प्रमुख बायें हाथ की सहायक नदियाँ झेलम, चिनाब, रावी, व्यास, सतलज, ट्रांस तथा जास्कर

पंचनद

→ सिंधु से पंचनद पाक में मिठानकोट नामक स्थान पर मिलती है।

→ 'लेह' सिंधु नदी के किनारे स्थित है।

पंचनद

i) झेलम :- इस नदी का उद्गम जम्मू कश्मीर में

वेरिनाग झील से होता है।

* यह नदी वूलर झील का निर्माण करती है जो भारत की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील है।

→ इस नदी के किनारे श्रीनगर स्थित है।

→ किशनगंगा इसकी दायें हाथ की प्रमुख सहायक नदी है।

→ इस नदी पर तुलबुल परियोजना प्रस्तावित है। यह एक नौविहन परियोजना है।

→ यह नदी भारत तथा पाकिस्तान के बीच अन्तर्राष्ट्रीय सीमा का निर्माण करती है।

ii) चिनाब :- चिनाब नदी का उद्गम हिमाचल प्रदेश में बारालाचा दर्रे के पास चन्द्र तथा भागा नदियों के मिलने (confluence) से होता है।

→ J & K में इस नदी पर जल विद्युत उत्पादन परियोजनाएँ स्थित हैं।

उदाहरण :- दुलहस्ती, सलाल, बगलिहार

→ यह सिंधु नदी की सबसे बड़ी सहायक नदी है।

iii) रावी :- रावी नदी का उद्गम रोहतांग दर्रे के पास से हिमाचल प्रदेश में होता है।

→ हिमाचल प्रदेश में इस नदी पर चमेरा बाँध स्थित है।

→ पंजाब में इस नदी पर थीन परियोजना स्थित है।

Title: _____ Date: __/__/____

किया। इस सिद्धान्त के अनुसार न तो ब्रह्माण्ड का कोई आदि है न ही कोई अंत है। यह समयानुसार अपरिवर्तित रहता है। यद्यपि इस सिद्धान्त में प्रसरणशीलता समाहित है परन्तु फिर भी ब्रह्माण्ड के घनत्व को स्थिर रखने के लिए इसमें पदार्थ स्वतः रूप से सृजित होता रहता है।

3). दोलन सिद्धान्त (Pulsating Universe theory) :-
यह सिद्धान्त डॉ. एलन सैंडेज ने प्रतिपादित किया था। इनके अनुसार आज से 130 करोड़ वर्ष पहले एक तीव्र विस्फोट हुआ था और तभी से ब्रह्माण्ड फैलता जा रहा है। 230 करोड़ वर्ष बाद गुरुत्वाकर्षण बल के कारण इनका विस्तार रुक जाएगा। इसके बाद ब्रह्माण्ड सकुंचित होने लगेगा और अत्यंत संपीडित और अनंत रूप से बिंदुमय आकार धारण कर लेगा। उसके बाद एक बार पुनः विस्फोट होगा और यही क्रम चलता रहेगा।

5) स्फीति का सिद्धान्त (Inflationary theory) :
यह सिद्धान्त अमेरिकी वैज्ञानिक अलेन गुथ ने दिया था। इस सिद्धान्त के अनुसार, विशालकाय अग्निपिण्ड के विस्फोट के पश्चात अति अल्पकाल में ब्रह्माण्ड का असाधारण त्वरित गति से फैलाव हुआ और ब्रह्माण्ड के आकार में कई गुना वृद्धि हो गई।

Title: _____ Date: __/__/____

तारों का निर्माण : तारों का निर्माण मुख्य रूप से हाइड्रोजन और हीलियम गैस से हुआ है। आकाशगंगाओं में उपस्थित हाइड्रोजन और हीलियम गैसों के घने बादलों के रूप में एकत्रित होने के साथ इसके जीवन चक्र का आरंभ होता है।

सौरमण्डल
सौरमण्डल का निर्माण 4.6 बिलियन वर्ष पूर्व हुआ था। सूर्य के चारों ओर भ्रमण करने वाले 8 ग्रह, 205 उपग्रह, धूमकेतु, उल्काएँ एवं क्षुद्रग्रह संयुक्त रूप से सौरमण्डल कहलाते हैं।

सूर्य (SUN) :- सूर्य एक गैसीय गोला है, जिसमें 71% हाइड्रोजन, 26.5% हीलियम व 2.5% अन्य तत्व विद्यमान हैं। सूर्य का केन्द्रीय भाग क्रोड (Core) कहलाता है।
→ सूर्य की ऊर्जा का स्रोत उसके केन्द्र में होने वाली नाभिकीय संलयन की क्रिया है।
→ सूर्य के प्रकाश को पृथ्वी तक पहुचने में 8 मिनट 16 सैकण्ड का समय लगता है।
→ सौर ज्वाला को उत्तरी ध्रुव पर औरोरा बोरियालिस कहते हैं। और दक्षिणी ध्रुव पर औरोरा आस्ट्रेलिस कहते हैं।

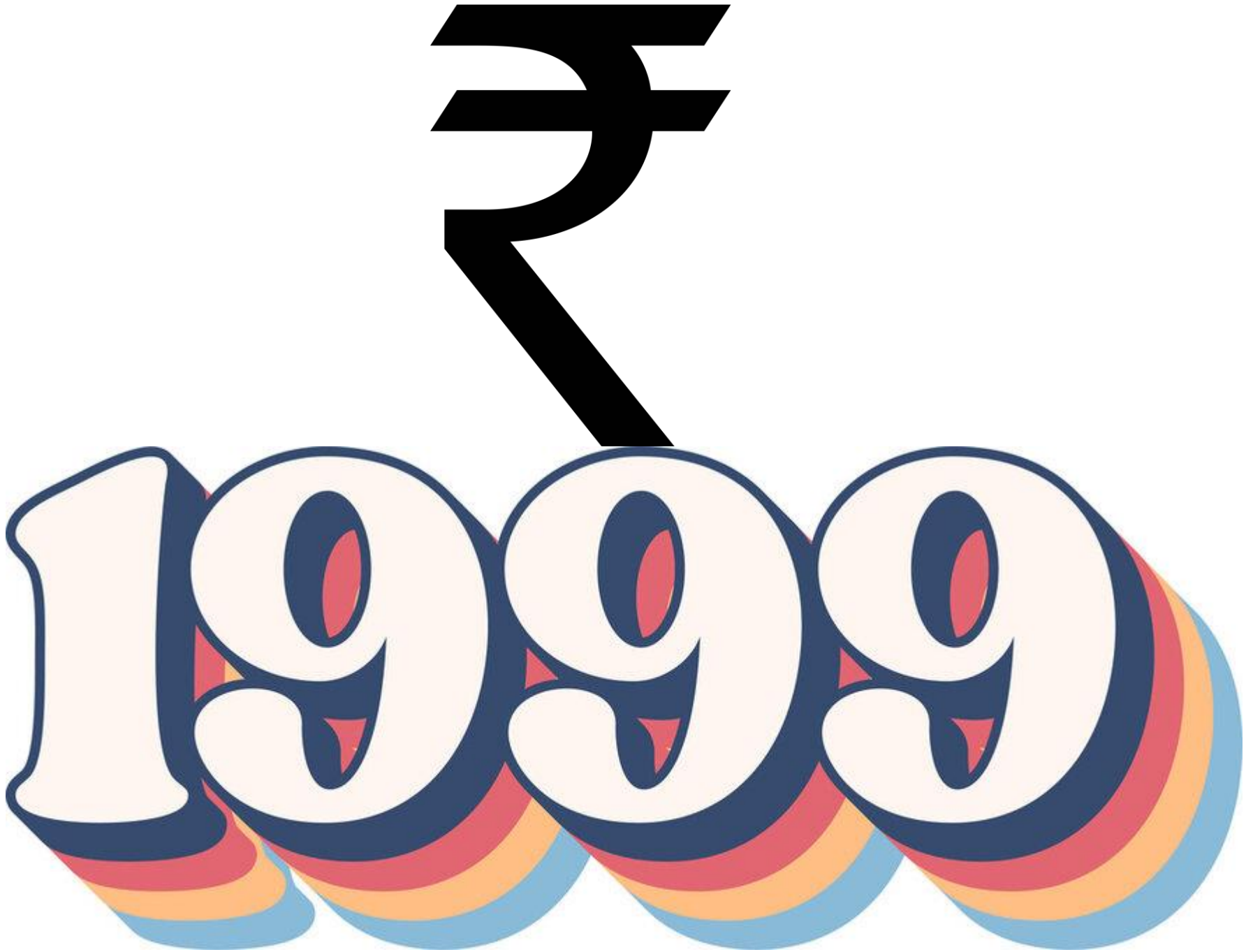
₹
1999

4

Assembly Elections 2024: Odisha Assembly results at a glance

The BJP won a majority of 78 seats in the Odisha Assembly elections, ending Naveen Patnaik's 24-year tenure as Chief Minister.

Updated - June 12, 2024 09:44 pm IST Published - June 11, 2024 12:27 pm IST

THE HINDU BUREAU

ओडिशा विधानसभा चुनाव रिजल्ट 2024

कुल सीटें- 147 बहुमत- 74

पार्टी	सीटें	वोटिंग पर्सेंट
भाजपा	78	40.07%
BJD	51	40.22%
कांग्रेस	14	13.26%
CPI (M)	1	0.37%
अन्य	3	4%

Looking to turn up heat on BJP govt, LoP Patnaik forms 'shadow cabinet', assigns depts to BJD MLAs

| July 18, 2024

BJD says the party MLAs will keep close watch on the activities of departments assigned to them and actively take part during their discussions in the House

The Indian EXPRESS

TOI City Bhubaneswar Mumbai Delhi Bengaluru Hyderabad Kolkata Chennai Agra Agartala Ahm

Naveen's 'shadow cabinet' to keep track of govt works

TNN / Jul 18, 2024, 05:01 IST

SHARE AA FOLLOW

WION OLYMPICS 2024 VIDEOS GRAVITAS WORLD INDIA SHOWBIZ LIFESTYLE SPORTS SCI

Odisha's opposition BJD forms shadow cabinet to counter BJP. Here's what it means

Odisha, India • Edited By: Vikrant Singh • Updated: Jul 18, 2024, 12:13 AM IST

Weeks after the BJD's debacle in the simultaneous Assembly and Lok Sabha polls in Odisha, the party president and ex-chief minister, Naveen Patnaik, is ramping up his efforts to take on the ruling BJP government headed by CM Mohan Charan Majhi.

Patnaik, who is now the Leader of Opposition (LoP) in the state Assembly, assigned various departments to his 50 party MLAs. This is being seen in the BJD circles as a "shadow cabinet", which would closely scrutinise the BJP government's functioning in the state and raise issues pertaining to different departments in the Assembly.

MOHAN CHARAN MAJHI

BJP'S FIRST CHIEF MINISTER OF ODISHA

“The Opposition party is the custodian of people’s interests. The Opposition party has a significant role to play in the state Assembly.

The MLAs will keep close watch on the activities of departments assigned to them and actively take part during discussion of those departments in the state Assembly. They will work to protect the interests of the people,” said a statement issued by the BJD that quoted Patnaik.

BJD sources said the idea behind the move was “to emerge as a strong Opposition party and to counter the BJP government on various issues”.

क्या है

"Shadow Cabinet India"

(छाया मंत्रिमंडल)?

What is a Shadow Cabinet?

A **Shadow Cabinet** is made up of opposition members of parliament (MPs) or members of legislative assemblies (MLAs) who reflect the roles of current government ministers.

Guided by the Leader of the Opposition (LoP), the shadow cabinet's role is to oversee and evaluate the activities of the government across different departments and ministries.

This concept is crucial in parliamentary democracies globally, particularly those following the Westminster system, such as the United Kingdom, Australia, Canada, and New Zealand. It provides a formal structure for opposition MPs to examine and question the government's policies.

History & Origin of Shadow Cabinet:

The history of the Shadow Cabinet can be traced back to the emergence of organized political opposition within parliamentary systems. It originated in the United Kingdom and has since become an integral part of democratic governance in various countries.

The roots of the Shadow Cabinet can be found in the 18th and 19th centuries when political parties began to take shape. In the United Kingdom, the Whigs and Tories emerged as the two major parties, vying for power and influence in Parliament. As these parties grew, there was a need for an organized opposition that could challenge the policies of the ruling party.

United Kingdom

Structure & Selection of the Shadow Cabinet

- The shadow cabinet is structured to mirror the government's cabinet.
- It typically includes key positions aligned with ministerial portfolios.
- The leader of the opposition has the authority to appoint shadow ministers.
- The number of shadow ministers may vary depending on the opposition party's size and structure.
- Shadow ministers are selected based on expertise, experience, and qualifications in relevant policy areas.

- **Party loyalty and commitment to the party's values are considered during selection.**
- **Shadow ministers work closely with policy teams and advisors within their party.**
- **Rotation and promotion within the shadow cabinet may occur to provide opportunities and fresh perspectives.**
- **Effective communication and coordination among shadow ministers are essential for cohesive functioning.**
- **The structure and selection process plays a crucial role in ensuring the shadow cabinet's effectiveness in holding the government accountable.**

How does the shadow cabinet work:

Under this system, the opposition forms a cabinet. The leaders included in it are given departments or ministries like the Union Ministers. For example, some are given ministries like Home, some Finance, some Defence, Agriculture and Railways. The purpose behind doing this is to monitor the functioning of these ministries and departments. The system of shadow cabinet is informal. Their decisions are not binding.

These countries also have shadow cabinets:

Apart from Britain, this system is also applicable in different forms in Australia, Canada, France, New Zealand and South Africa. Another purpose of this is to make the opposition leaders aware of the working of the government.

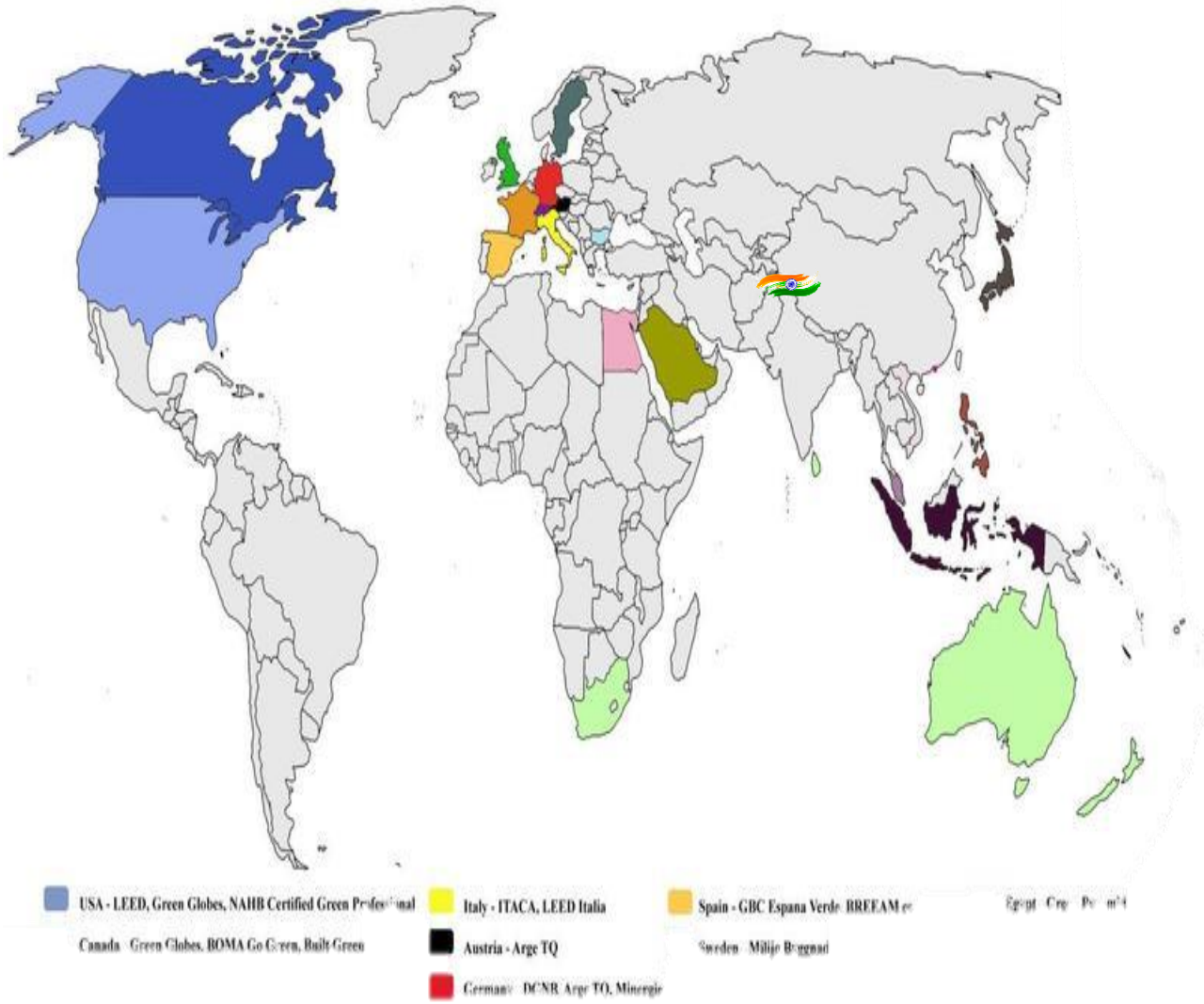

Shadow Cabinet System in Britain: The system of shadow cabinet in Britain is very systematic and established. Here the main opposition party has a formal shadow cabinet. Members of the shadow cabinet act as shadow ministers against various departments of the government. Their main function is to criticize the policies of the government and propose alternative policies. The leader of the shadow cabinet is called the 'shadow prime minister'.

Shadow Cabinet System in India : The tradition of shadow cabinet in India is much less developed than in Britain. Here the opposition party does not have a formal shadow cabinet. The leader and members of the opposition party monitor and criticize the functioning of the government through various parliamentary committees. In India, the leader of the opposition party is recognized as the 'Leader of the Opposition', but he does not have a formal role like the shadow cabinet.

THE CONSTITUTION OF
INDIA
PREAMBLE

Is it mentioned in the Constitution of India :

There is no clear provision for the Shadow Cabinet system in the Constitution of India. The Shadow Cabinet is mainly an informal part of the parliamentary system, the idea of the Shadow Cabinet system in India has been taken from Britain (UK). The concept of Shadow Cabinet is an important part of the parliamentary system of Britain and it has been implemented there successfully for many decades.

SOURCES OF THE INDIAN CONSTITUTION

UNITED STATES

- Fundamental rights.
- Independence of judiciary.
- Judicial review.
- Impeachment of the president.
- Removal of Supreme Court & High Court judges.
- Post of vice-president.

UNITED KINGDOM

- Parliamentary government.
- Rule of Law.
- Legislative procedure.
- Single Citizenship.
- Cabinet system.
- Prerogative writs.
- Parliamentary privileges.
- Bicameralism.

JAPAN

- Procedure Established by law.

SOUTH AFRICA

- Procedure for amendment in the Indian Constitution.
- Election of members of Rajya Sabha.

GERMANY (WEIMAR)

- Suspension of Fundamental Rights during emergency.

United Kingdom: The **Shadow Cabinet is selected by the Leader of the Opposition to reflect the Government's Cabinet**. **Each member focuses on a particular policy area for their party, questioning and challenging their Cabinet counterpart**, thus positioning the Official Opposition as an alternative government ready to take over.

Canada: **Opposition parties create shadow cabinets, consisting of opposition MPs known as critics**, who cover the same areas of expertise as the governing party's Cabinet ministers.

This mirrored arrangement serves as a reminder that either side could potentially take over governance at any time.

THE UNITED KINGDOM CABINET

1. COMPOSITION AND FUNCTIONS
2. SHADOW CABINET
3. CABINET MEMBERS AND DEPARTMENTS

Canada's Federal Political System

Legislative Branch

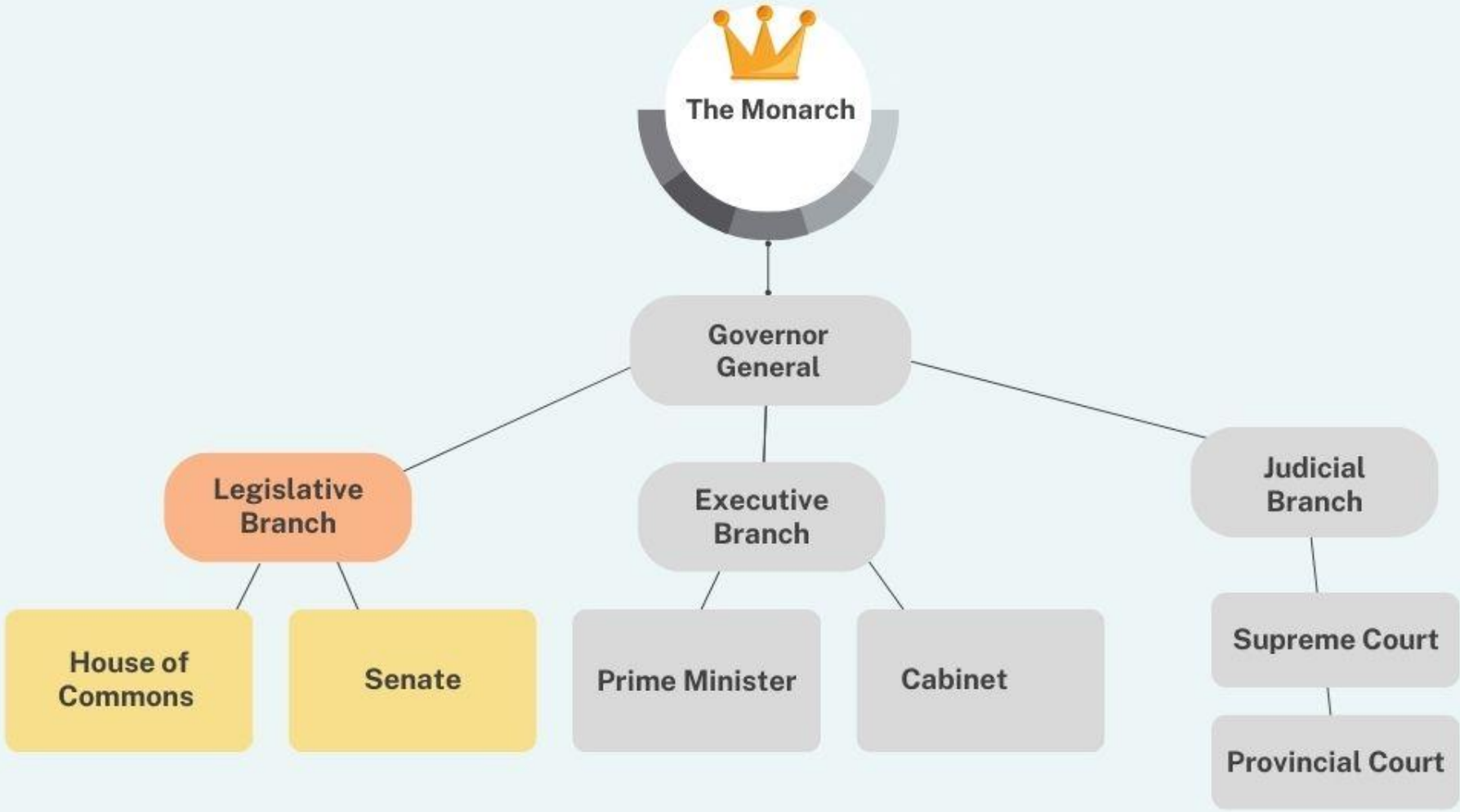

ANI
@ANI

Former Odisha CM and LoP Naveen Patnaik assigns various departments to his 50 MLAs, who would closely watch their activities & raise issues pertaining to the departments in the state assembly, aiming for a strong counter to the BJP govt in the assembly: BJD

Odisha Assembly will start on July 22.

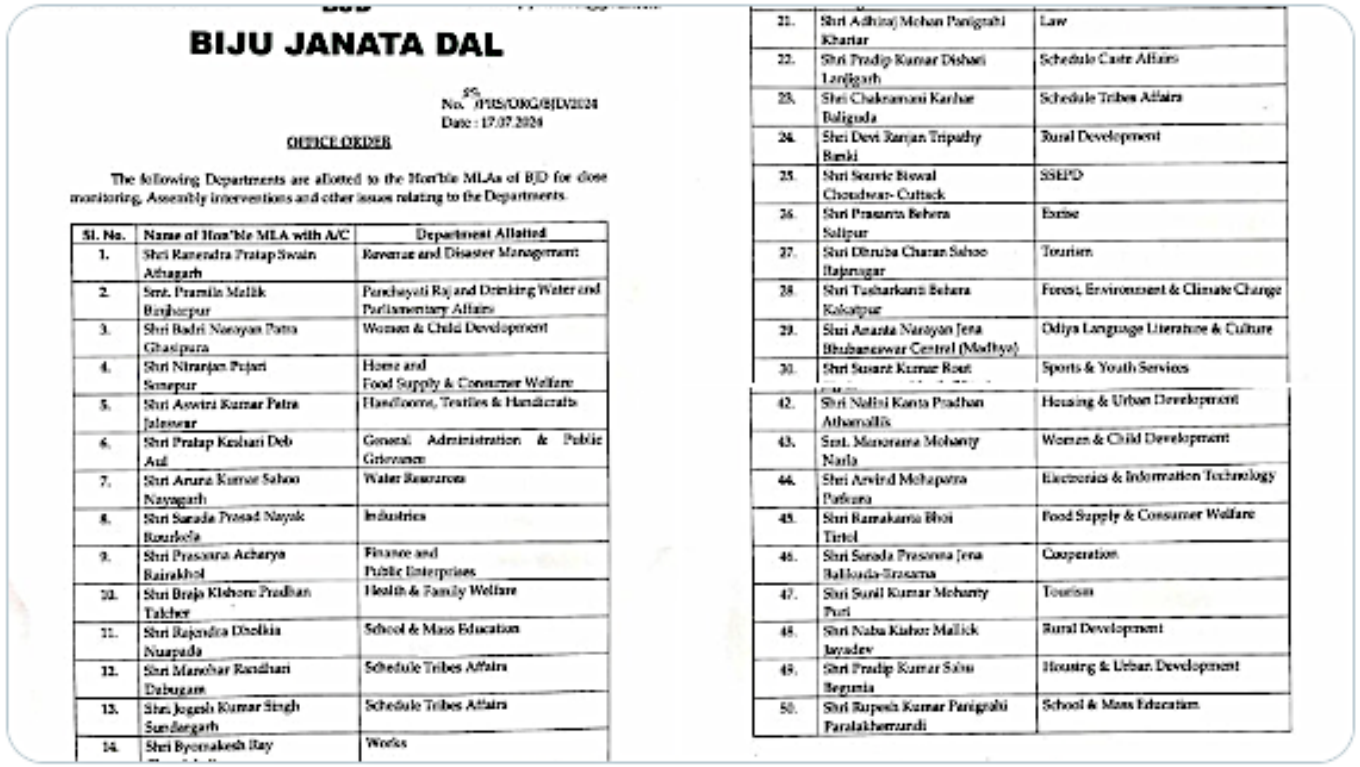

BIJU JANATA DAL

No. /PBS/ORG/BJD/2024
Date : 17.07.2024

OFFICE ORDER

The following Departments are allotted to the Hon'ble MLAs of BJD for close monitoring, Assembly interventions and other issues relating to the Departments.

Sl. No.	Name of Hon'ble MLA with A/C	Department Allotted
1.	Shri Ranendra Pratap Swain Athagarh	Revenue and Disaster Management
2.	Smt. Pramila Mallik Binjharpur	Panchayati Raj and Drinking Water and Parliamentary Affairs
3.	Shri Badri Narayan Patra Ghasipura	Women & Child Development
4.	Shri Niranjan Pujari Sonepur	Home and Food Supply & Consumer Welfare
5.	Shri Aswini Kumar Patra Jaleswar	Handlooms, Textiles & Handicrafts
6.	Shri Pratap Keshari Deb Aul	General Administration & Public Grievance
7.	Shri Aruna Kumar Sahoo Nayagarh	Water Resources
8.	Shri Sarada Prasad Nayak Rourkela	Industries
9.	Shri Prasanna Acharya Bairakhol	Finance and Public Enterprises
10.	Shri Braja Kishore Pradhan Talcher	Health & Family Welfare
11.	Shri Rajendra Dholkia Nuapada	School & Mass Education
12.	Shri Manohar Randhari Dabugam	Schedule Tribes Affairs
13.	Shri Jogesh Kumar Singh Sundargarh	Schedule Tribes Affairs
14.	Shri Byomakesh Ray	Works
21.	Shri Adhiraj Mohan Panigrahi Khariar	Law
22.	Shri Pradip Kumar Dishari Lanjigarh	Schedule Caste Affairs
23.	Shri Chakramani Kanhar Baliguda	Schedule Tribes Affairs
24.	Shri Devi Ranjan Tripathy Banki	Rural Development
25.	Shri Souvic Biswal Choudwar- Cuttack	SSEPD
26.	Shri Prasanta Behera Salipur	Excise
27.	Shri Dhruba Charan Sahoo Rajanagar	Tourism
28.	Shri Tusharkanti Behera Kakatpur	Forest, Environment & Climate Change
29.	Shri Ananta Narayan Jena Bhubaneswar Central (Madhya)	Odiya Language Literature & Culture
30.	Shri Susant Kumar Rout	Sports & Youth Services
42.	Shri Nalini Kanta Pradhan Athamallik	Housing & Urban Development
43.	Smt. Manorama Mohanty Narla	Women & Child Development
44.	Shri Arvind Mohapatra Patkura	Electronics & Information Technology
45.	Shri Ramakanta Bhoi Titlol	Food Supply & Consumer Welfare
46.	Shri Sarada Prasanna Jena Balikuda-Ersama	Cooperation
47.	Shri Sunil Kumar Mohanty Puri	Tourism
48.	Shri Naba Kishor Mallick Jayadev	Rural Development
49.	Shri Pradip Kumar Sahu Begunia	Housing & Urban Development
50.	Shri Rupesh Kumar Panigrahi Paralakhemundi	School & Mass Education

6:12 PM · Jul 17, 2024 · **354.2K** Views

Election Results Recap

In the recent elections to the 147-member Assembly, the BJP secured 78 seats, while the BJD won 51.

In the Lok Sabha polls, the BJP won 20 out of 21 seats in the state, with the Congress claiming the remaining seat, and the BJD drawing a blank.

Patnaik's move comes a week before the commencement of the first Assembly session after the formation of the first BJP government in the state. The budget session is scheduled to start from July 22 and will continue till September 13 in two phases.

Patnaik's move is also a clear indication that he would continue to play an active role in Odisha politics and that the BJD would take an aggressive stand against the BJP government in the House.

The BJD members will occupy the Opposition benches for the first time since the party first fought an Assembly election in 2000.

"Those who thought that BJD will no longer be relevant in Odisha politics should take note of our activities including the recent one (shadow cabinet). People of Odisha have given a mandate to the BJP and we respect that.

If we feel that the interest of Odisha is harmed in any way, we will take on the government as a responsible Opposition party inside and outside the Assembly," said a senior BJD leader, requesting anonymity.

Senior BJD MLAs, who had in the past handled various departments as cabinet ministers, have been allotted crucial departments.

Patnaik has assigned former finance minister Prasanna Acharya, who is now the deputy leader of Opposition, the charge of scrutinising the operation of the finance department.

Sankha Bhawan
Plot No. 798, Unit - VI
Bhubaneswar - 751001, Odisha

BJD

Ph : 0674-2393464, 2395979
email : bijujanatadal@gmail.com

BIJU JANATA DAL

No. 23 /PRS/ORG/BJD/2024
Date : 17.07.2024

OFFICE ORDER

The following Departments are allotted to the Hon'ble MLAs of BJD for close monitoring, Assembly interventions and other issues relating to the Departments.

Sl. No.	Name of Hon'ble MLA with A/C	Department Allotted
1.	Shri Ranendra Pratap Swain Athagarh	Revenue and Disaster Management
2.	Smt. Pramila Mallik Binjharpur	Panchayati Raj and Drinking Water and Parliamentary Affairs
3.	Shri Badri Narayan Patra Ghasipura	Women & Child Development
4.	Shri Niranjan Pujari Sonepur	Home and Food Supply & Consumer Welfare
5.	Shri Aswini Kumar Patra Jaleswar	Handlooms, Textiles & Handicrafts
6.	Shri Pratap Keshari Deb Aul	General Administration & Public Grievance
7.	Shri Aruna Kumar Sahoo Nayagarh	Water Resources
8.	Shri Sarada Prasad Nayak Rourkela	Industries
9.	Shri Prasanna Acharya Rairakhol	Finance and Public Enterprises
10.	Shri Braja Kishore Pradhan Talcher	Health & Family Welfare
11.	Shri Rajendra Dholkia Nuapada	School & Mass Education
12.	Shri Manohar Randhari Dabugam	Schedule Tribes Affairs
13.	Shri Jogesh Kumar Singh Sundargarh	Schedule Tribes Affairs
14.	Shri Byomakesh Ray Chandabali	Works
15.	Shri Dibya Shankar Mishra Junagarh	Energy
16.	Shri Ganeswar Behera Kendrapara	Steel & Mines
17.	Smt. Barsha Singh Bariha Padampur	Mission Shakti
18.	Shri Sanatan Mahakud Champua	Agriculture & Farmers' Empowerment
19.	Shri Sanjib Kumar Mallick Bhandaripokhari	Micro, Small & Medium Entreprises
20.	Shri Kalikesh Narayan Singh Deo Bolangir	Skill Development & Technical Education
21.	Shri Adhiraj Mohan Panigrahi Khariar	Law
22.	Shri Pradip Kumar Dishari Lanjigarh	Schedule Caste Affairs
23.	Shri Chakramani Kanhar Baliguda	Schedule Tribes Affairs
24.	Shri Devi Ranjan Tripathy Banki	Rural Development
25.	Shri Souvic Biswal Choudwar- Cuttack	SSEPD
26.	Shri Prasanta Behera Salipur	Excise
27.	Shri Dhruba Charan Sahoo Rajanagar	Tourism
28.	Shri Tusharkanti Behera Kakatpur	Forest, Environment & Climate Change
29.	Shri Ananta Narayan Jena Bhubaneswar Central (Madhya)	Odiya Language Literature & Culture
30.	Shri Susant Kumar Rout Bhubaneswar North (Uttar)	Sports & Youth Services
31.	Shri Bibhuti Bhusan Balabantaray Jatni	Commerce & Transport
32.	Shri Ramesh Chandra Behera Daspalla	Higher Education
33.	Shri Rohit Joseph Tirkey Biramitrapur	Minorities Affairs
34.	Shri Sudarsan Haripal Rengali	Handloom
35.	Shri Romancha Ranjan Biswal Deogarh	Planning & Convergence

36.	Shri Abhimanyu Sethi Anandpur	Works
37.	Shri Goutam Buddha Das Bhograi	Information & Public Relations
38.	Smt. Subasini Jena Basta	Fisheries & Animal Resources Development
39.	Shri Madhab Dhada Soro	Science & Technology
40.	Shri Biswa Ranjan Mallick Bari	Labour & ESI
41.	Smt. Sujata Sahu Jajpur	Mission Shakti
42.	Shri Nalini Kanta Pradhan Athamallik	Housing & Urban Development
43.	Smt. Manorama Mohanty Narla	Women & Child Development
44.	Shri Arvind Mohapatra Patkura	Electronics & Information Technology
45.	Shri Ramakanta Bhoi Tirtol	Food Supply & Consumer Welfare
46.	Shri Sarada Prasanna Jena Balikuda-Erasama	Cooperation
47.	Shri Sunil Kumar Mohanty Puri	Tourism
48.	Shri Naba Kishor Mallick Jayadev	Rural Development
49.	Shri Pradip Kumar Sahu Begunia	Housing & Urban Development
50.	Shri Rupesh Kumar Panigrahi Paralakhemundi	School & Mass Education

NAVEEN PATNAIK
(PRESIDENT, BIJU JANTA DAL)
President
BIJU JANATA DAL
ODISHA

भारत में शैडो कैबिनेट के प्रयोग :

भारत में स्टेट लेवल पर शैडो कैबिनेट की व्यवस्था काफी समय से प्रचलित है। साल 2005 में महाराष्ट्र में भाजपा और शिव सेना ने मिलकर कांग्रेस सरकार के कामकाज पर निगरानी रखने के लिए शैडो कैबिनेट का गठन किया था। ठीक ऐसा ही प्रयोग भाजपा ने गोवा, पंजाब और दिल्ली भी किए। मध्यप्रदेश (2014) में कांग्रेस ने भी शैडो कैबिनेट का गठन किया था।

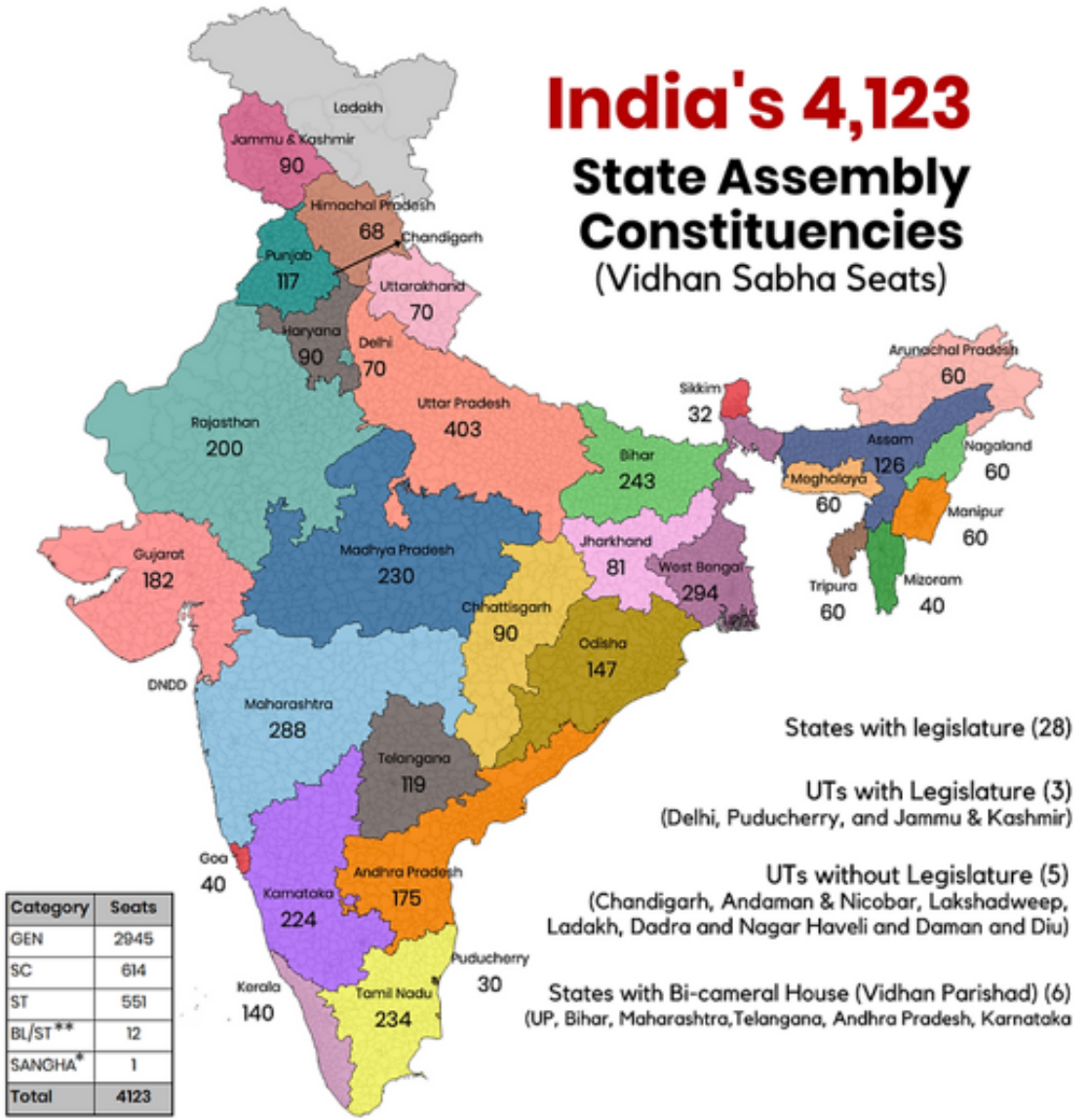

Earlier trials with Shadow Cabinets in India

Maharashtra, 2005 BJP-Shiv Sena Shadow Cabinet:

Purpose: Established to challenge the Congress-NCP government.
Composition: Comprised prominent opposition figures from BJP and Shiv Sena, each mirroring specific government ministries.
Impact: Facilitated organized opposition oversight and policy critique within the state assembly.

Madhya Pradesh, 2014 Congress Shadow Cabinet:

Composition: Consisted of senior Congress leaders and legislators, each assigned to shadow government departments.
Outcome: Increased the opposition's presence and accountability in state legislative activities.

Maharashtra

AKASH

In 2015, Goa saw the formation of an NGO-led Shadow Cabinet, introduced by Gen Next, a non-governmental organization.

This group examined the policies of the ruling government, even though it was not an official opposition body. It provided independent evaluation and public discussion on governance matters.

In 2018, Kerala had a Civil Society Shadow Cabinet led by members of civil society to review policies.

This cabinet, comprising social activists and experts, was not connected with the opposition UDF. Its impact was to provide critical analysis and alternative viewpoints on government policies and initiatives.

GOA PRADESH
TOI

e Minister

Advantages of the Shadow Cabinet

Accountability: Holds the government accountable.

Policy scrutiny: Analyzes and questions government policies.

Alternative government: Ready to govern if given the opportunity.

Constructive criticism: Provides feedback for better decision-making.

Public representation: Voices concerns of opposition supporters.

Talent development: Nurtures emerging leaders within the party.

Strengthens democracy: Provides checks and balances.

Continuity of governance: Ensures smooth transitions in leadership.

Disadvantages of the Shadow Cabinet:

- Limited decision-making power.
- Lack of executive experience.
- Partisan approach and political point-scoring.
- Limited resources and support staff.
- Limited media coverage and visibility.
- Internal divisions and power struggles.
- Variable influence on government decisions.
- Questioned effectiveness and public perception.

2024

GA FOUNDATION

RECORDED BATCH

Apni Pathshala
एक कदम उज्जवल भविष्य की ओर

Subject

- HISTORY ,POLITY
- GEOGRAPHY
- ECONOMICS

Price

1499/-

Validity 1 Year

By Ankit Avasthi Sir

GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

Ankit Inspires India

₹ Only 1999

6 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

→ सिन्धु नदी का उद्गम कैलाश पर्वतीय क्षेत्र में बोखर चू हिमनद से होता है।
→ तिब्बत में इस नदी को सिंगी खंबान कहते है।
→ यह दमचोक नामक स्थान से भारत में प्रवेश करती है।
→ यह नदी भारत में लद्दाख तथा जास्कर श्रेणी के बीच बहती है।
→ पाकिस्तान में यह अटक (Attock) नामक स्थानों पर मैदानों में प्रवेश करती है।
→ पाकिस्तान में कराँची के पास डेल्टा बनाते हुए यह अरब सागर में गिरती है।
→ सिंधु नदी की दायें हाथ की प्रमुख सहायक नदियाँ :- श्योक, नुब्रा, हुनजा, गिलगिट, स्वात, काबुल तथा गोमल
→ इसकी प्रमुख बायें हाथ की सहायक नदियाँ झेलम, चिनाब, रावी, व्यास, सतलज, ट्रांस तथा जास्कर
पंचनद
→ सिंधु से पंचनद पाक में मिठानकोट नामक स्थान पर मिलती है।
→ 'लेह' सिंधु नदी के किनारे स्थित है।

पंचनद

i) झेलम :- इस नदी का उद्गम जम्मू कश्मीर में

बेरिनाग झील से होता है।
* यह नदी वूलर झील का निर्माण करती है जो भारत की सबसे बडी मीठे पानी की झील है।
→ इस नदी के किनारे श्रीनगर स्थित है।
→ किशनगंगा इसकी दाये हाथ की प्रमुख सहायक नदी है।
→ इस नदी पर तुलबुल परियोजना प्रस्तावित है। यह एक नौविहन परियोजना है।
→ यह नदी भारत तथा पाकिस्तान के बीच अन्तर्राष्ट्रीय सीमा का निर्माण करती है।

ii) चिनाब :- चिनाब नदी का उद्गम हिमाचल प्रदेश में बारालाचा दर्रे के पास चन्द्र तथा भागा नदियों के मिलने (confluence) से होता है।
→ J & K में इस नदी पर जल विद्युत उत्पादन परियोजनाएँ स्थित है।
उदाहरण :- दुलहस्ती, सलाल, बगलिहार
→ यह सिंधु नदी की सबसे बडी सहायक नदी है।

iii) रावी :- रावी नदी का उद्गम रोहतांग दर्रे के पास से हिमाचल प्रदेश में होता है।
→ हिमाचल प्रदेश में इस नदी पर चमेरा बाँध स्थित है।
→ पंजाब में इस नदी पर थीन परियोजना स्थित है।

Title: _____ Date: __/__/____

किया। इस सिद्धान्त के अनुसार न तो ब्रह्माण्ड का कोई आदि है न ही कोई अंत है। यह समयानुसार अपरिवर्तित रहता है। यद्यपि इस सिद्धान्त में प्रसरणशीलता समाहित है परन्तु फिर भी ब्रह्माण्ड के घनत्व को स्थिर रखने के लिए इसमें पदार्थ स्वतः रूप से सृजित होता रहता है।

3). दोलन सिद्धान्त (Pulsating Universe theory) :-
यह सिद्धान्त डॉ. एलन सैंडेज ने प्रतिपादित किया था। इनके अनुसार आज से 130 करोड़ वर्ष पहले एक तीव्र विस्फोट हुआ था और तभी से ब्रह्माण्ड फैलता जा रहा है। 230 करोड़ वर्ष बाद गुरुत्वाकर्षण बल के कारण इनका विस्तार रुक जाएगा। इसके बाद ब्रह्माण्ड सकुंचित होने लगेगा और अत्यंत संपीडित और अनंत रूप से बिंदुमय आकार धारण कर लेगा। उसके बाद एक बार पुनः विस्फोट होगा और यही क्रम चलता रहेगा।

5) स्फीति का सिद्धान्त (Inflationary theory) :
यह सिद्धान्त अमेरिकी वैज्ञानिक अलेन गुथ ने दिया था। इस सिद्धान्त के अनुसार, विशालकाय अग्निपिण्ड के विस्फोट के पश्चात अति अल्पकाल में ब्रह्माण्ड का असाधारण त्वरित गति से फैलाव हुआ और ब्रह्माण्ड के आकार में कई गुना वृद्धि हो गई।

Title: _____ Date: __/__/____

तारों का निर्माण : तारों का निर्माण मुख्य रूप से हाइड्रोजन और हीलियम गैस से हुआ है। आकाशगंगाओं में उपस्थित हाइड्रोजन और हीलियम गैसों के घने बादलों के रूप में एकत्रित होने के साथ इसके जीवन चक्र का आरंभ होता है।

सौरमण्डल
सौरमण्डल का निर्माण 4.6 बिलियन वर्ष पूर्व हुआ था। सूर्य के चारों ओर भ्रमण करने वाले 8 ग्रह, 205 उपग्रह, धूमकेतु, उल्काएँ एवं क्षुद्रग्रह संयुक्त रूप से सौरमण्डल कहलाते हैं।

सूर्य (SUN) :- सूर्य एक गैसीय गोला है, जिसमें 71% हाइड्रोजन, 26.5% हीलियम व 2.5% अन्य तत्व विद्यमान हैं। सूर्य का केन्द्रीय भाग क्रोड (Core) कहलाता है।
→ सूर्य की ऊर्जा का स्रोत उसके केन्द्र में होने वाली नाभिकीय संलयन की क्रिया है।
→ सूर्य के प्रकाश को पृथ्वी तक पहुचने में 8 मिनट 16 सैकण्ड का समय लगता है।
→ सौर ज्वाला को उत्तरी ध्रुव पर औरोरा बोरियालिस कहते हैं। और दक्षिणी ध्रुव पर औरोरा आस्ट्रेलिस कहते हैं।

7D | 28D | 90D | 365D | Apr | Mar | Feb

31 Mar – 27 Apr 2024

Watch time (hours)

Not subscribed	52.1%
Subscribed	47.9%

visit Our Website :-

WWW. apnipathshala.com

1) BPSC Courses
2) RPSC Courses
3) UPPSC Courses
4) RNA And Class Pdf
5) video lecture
6) Daily Current Affairs
7) Inforgraphic
8) Test series , Quiz

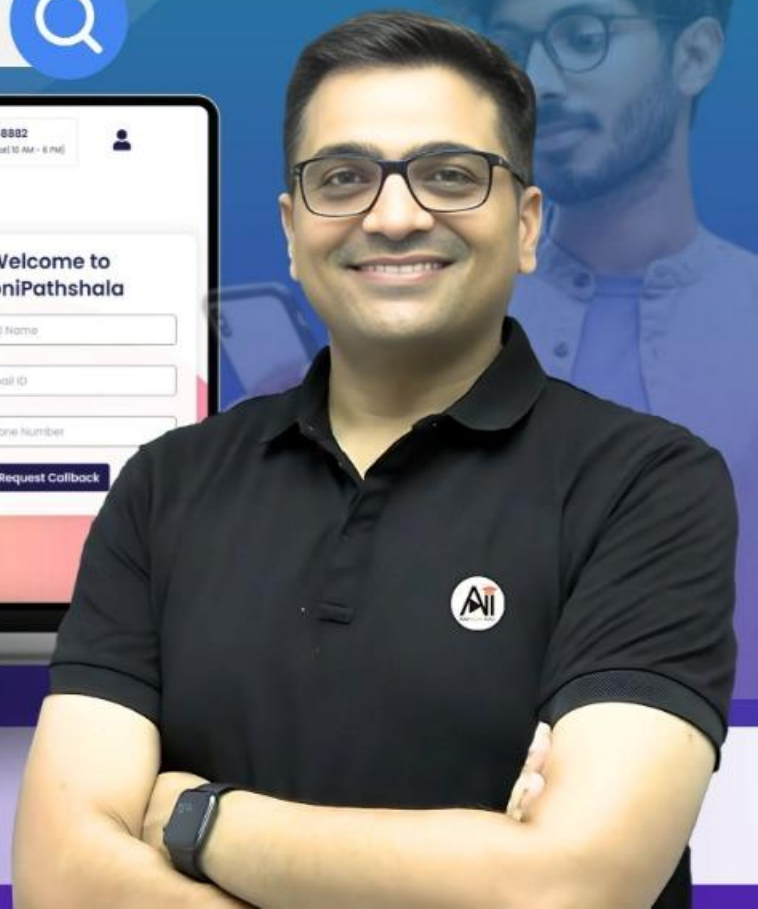

अब तैयारी हुई और आसान

Apni Pathshala
apnipathshala.com

1

अब तैयारी हुई और आसान

Download lessons and learn anytime, anywhere with Apni Pathshala

GET IT ON Google Play | Download on the App Store | Get it on Windows 10

Welcome to ApniPathshala

Enter Your Full Name

Enter Your Email ID

Enter Your Phone Number

2

Menu

Our Classroom

Our Resources

Current Affairs

3

Menu

Our Classroom

Our Resources

Current Affairs

Daily

Weekly

Monthly

RNA PDF

RNA PDF – Apni Pa...
apnipathshala.com

4

Daily Current Affairs

Current Affairs | CA Daily | CA Weekly | CA Montly | RNA PDF

RNA (Real news and analysis) 18 may 2024

May 18, 2024

RNA (Real news and analysis) 17 may 2024

May 17, 2024

2024

GA FOUNDATION

RECORDED BATCH

Apni Pathshala
एक कदम उज्जवल भविष्य की ओर

Subject

- HISTORY ,POLITY
- GEOGRAPHY
- ECONOMICS

Price

1499/-

Validity 1 Year

By Ankit Avasthi Sir

GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

Ankit Inspires India

₹ Only 1999

6 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

Title: ______ Date: __/__/____

→ सिन्धु नदी का उद्गम कैलाश पर्वतीय क्षेत्र में बोखर चू हिमनद से होता है।
→ तिब्बत में इस नदी को सिंगी खंबान कहते हैं।
→ यह दमचोक नामक स्थान से भारत में प्रवेश करती है।
→ यह नदी भारत में लद्दाख तथा जास्कर श्रेणी के बीच बहती है।
→ पाकिस्तान में यह अटक (Attock) नामक स्थानों पर मैदानों में प्रवेश करती है।
→ पाकिस्तान में कराँची के पास डेल्टा बनाते हुए यह अरब सागर में गिरती है।
→ सिंधु नदी की दायें हाथ की प्रमुख सहायक नदियाँ :- श्योक, नुब्रा, हुनजा, गिलगिट, स्वात, काबुल तथा गोमल
→ इसकी प्रमुख बायें हाथ की सहायक नदियाँ झेलम, चिनाब, रावी, व्यास, सतलज, ट्रांस तथा जास्कर
पंचनद
→ सिंधु से पचंनद पाक में मिठानकोट नामक स्थान पर मिलती है।
→ 'लेह' सिंधु नदी के किनारे स्थित है।

पंचनद

i) झेलम :- इस नदी का उद्गम जम्मू कश्मीर में

Title: ______ Date: __/__/____

बेरिनाग झील से होता है।
* यह नदी वूलर झील का निर्माण करती है जो भारत की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील है।
→ इस नदी के किनारे श्रीनगर स्थित है।
→ किशनगंगा इसकी दायें हाथ की प्रमुख सहायक नदी है।
→ इस नदी पर तुलबुल परियोजना प्रस्तावित है। यह एक नौविहन परियोजना है।
→ यह नदी भारत तथा पाकिस्तान के बीच अन्तर्राष्ट्रीय सीमा का निर्माण करती है।

ii) चिनाब :- चिनाब नदी का उद्गम हिमाचल प्रदेश में बारालाचा दर्रे के पास चन्द्र तथा भागा नदियों के मिलने (confluence) से होता है।
→ J & K में इस नदी पर जल विद्युत उत्पादन परियोजनाएँ स्थित हैं।
उदाहरण :- दुलहस्ती, सलाल, बगलिहार
→ यह सिंधु नदी की सबसे बड़ी सहायक नदी है।

iii) रावी :- रावी नदी का उद्गम रोहतांग दर्रे के पास से हिमाचल प्रदेश में होता है।
→ हिमाचल प्रदेश में इस नदी पर चमेरा बाँध स्थित है।
→ पंजाब में इस नदी पर थीन परियोजना स्थित है।

Title: _____ Date: __/__/____

किया। इस सिद्धान्त के अनुसार न तो ब्रह्माण्ड का कोई आदि है न ही कोई अंत है। यह समयानुसार अपरिवर्तित रहता है। यद्यपि इस सिद्धान्त में प्रसरणशीलता समाहित है परन्तु फिर भी ब्रह्माण्ड के घनत्व को स्थिर रखने के लिए इसमें पदार्थ स्वतः रूप से सृजित होता रहता है।

3). दोलन सिद्धान्त (Pulsating Universe theory) :-
यह सिद्धान्त डॉ. एलन सैंडेज ने प्रतिपादित किया था। इनके अनुसार आज से 130 करोड़ वर्ष पहले एक तीव्र विस्फोट हुआ था और तभी से ब्रह्माण्ड फैलता जा रहा है। 230 करोड़ वर्ष बाद गुरुत्वाकर्षण बल के कारण इनका विस्तार रुक जाएगा। इसके बाद ब्रह्माण्ड सकुंचित होने लगेगा और अत्यंत संपीडित और अनंत रूप से बिंदुमय आकार धारण कर लेगा। उसके बाद एक बार पुनः विस्फोट होगा और यही क्रम चलता रहेगा।

5) स्फीति का सिद्धान्त (Inflationary theory) :
यह सिद्धान्त अमेरिकी वैज्ञानिक अलेन गुथ ने दिया था। इस सिद्धान्त के अनुसार, विशालकाय अग्निपिण्ड के विस्फोट के पश्चात अति अल्पकाल में ब्रह्माण्ड का असाधारण त्वरित गति से फैलाव हुआ और ब्रह्माण्ड के आकार में कई गुना वृद्धि हो गई।

Title: _____ Date: __/__/____

तारों का निर्माण : तारों का निर्माण मुख्य रूप से हाइड्रोजन और हीलियम गैस से हुआ है। आकाशगंगाओं में उपस्थित हाइड्रोजन और हीलियम गैसों के घने बादलों के रूप में एकत्रित होने के साथ इसके जीवन चक्र का आरंभ होता है।

सौरमण्डल
सौरमण्डल का निर्माण 4.6 बिलियन वर्ष पूर्व हुआ था। सूर्य के चारों ओर भ्रमण करने वाले 8 ग्रह, 205 उपग्रह, धूमकेतु, उल्काएँ एवं क्षुद्रग्रह संयुक्त रूप से सौरमण्डल कहलाते हैं।

सूर्य (SUN) :- सूर्य एक गैसीय गोला है, जिसमें 71% हाइड्रोजन, 26.5% हीलियम व 2.5% अन्य तत्व विद्यमान हैं। सूर्य का केन्द्रीय भाग क्रोड (Core) कहलाता है।
→ सूर्य की ऊर्जा का स्रोत उसके केन्द्र में होने वाली नाभिकीय संलयन की क्रिया है।
→ सूर्य के प्रकाश को पृथ्वी तक पहुचने में 8 मिनट 16 सैकण्ड का समय लगता है।
→ सौर ज्वाला को उत्तरी ध्रुव पर औरोरा बोरियालिस कहते हैं। और दक्षिणी ध्रुव पर औरोरा आस्ट्रेलिस कहते हैं।

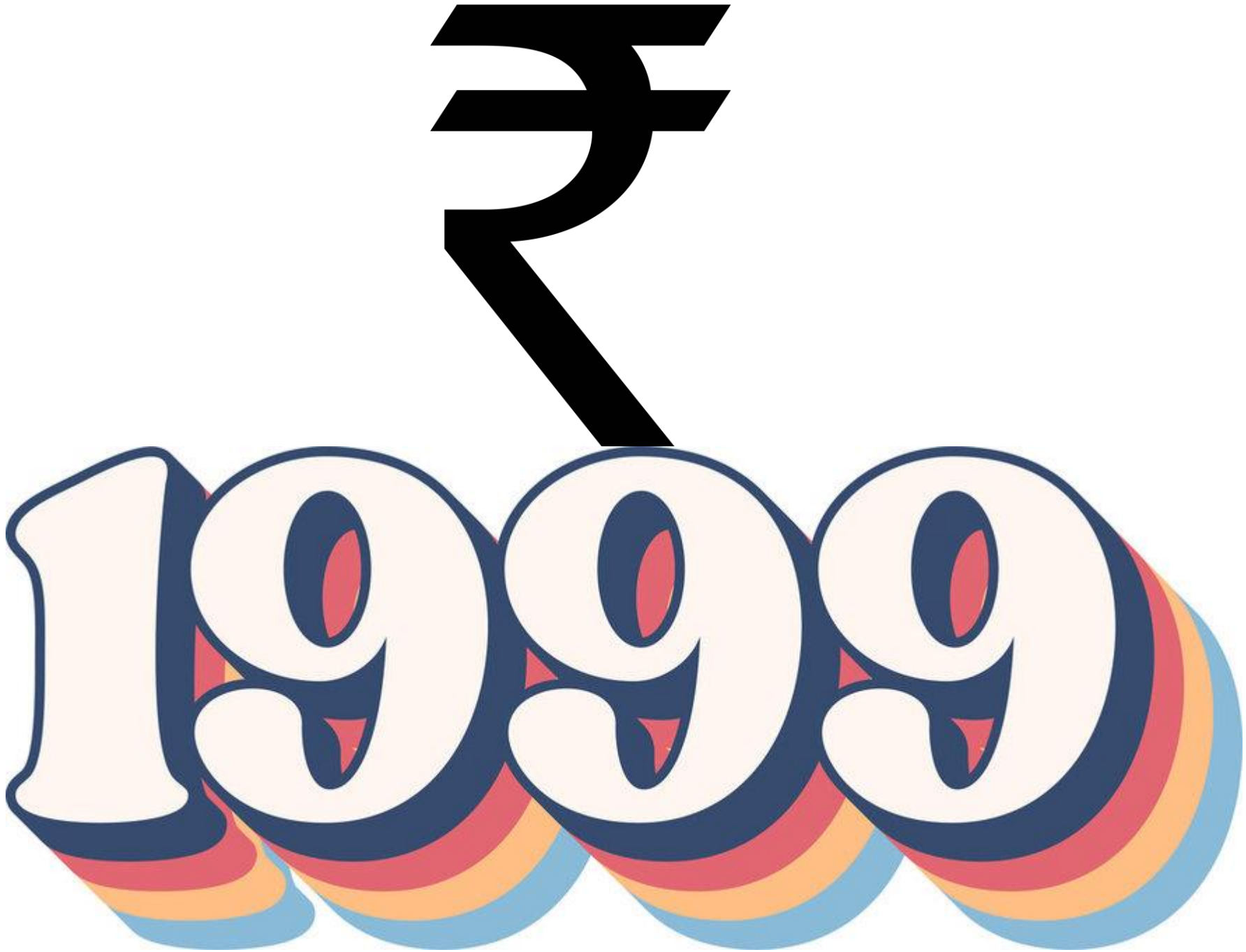
₹
1999

CALL CENTRE

HOW MAY I HELP YOU

7878158882

AnkitInspiresIndia

Download "Apni Pathshsla" app now!

Follow us: